दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः गुरूवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 166 • पृष्ठ 8 • दुमका, गुरूवार 15 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 21 तोपों की सलामी देगा अमेरिका

अमेरिकी संसद को दूसरी बार संबोधित कर इतिहास रचेंगे भारत के पीएम

नई दिल्ली/एजेंसी।

पीएम नरेंद्र मोदी 21 से 24 जून के बीच अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान 140 करोड़ भारतवासियों को एक ऐतिहासिक घटना देखने को मिलेगी,दरअसल हमारे प्रधानमंत्री को व्हाइट हाउस पहुंचने पर पहली बार 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। व्हाइट हाउस में ही 22 जून को पीएम मोदी के सम्मान में स्टेट डिनर होगा। मगर, उससे एक दिन पहले 21 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फर्स्ट लेडी जिल बाइडन ने खास पीएम मोदी के लिए डिनर का अयोजन किया है।

बता दें कि पीएम मोदी 2014 के बाद से अब तक 7 बार अमेरिका यात्रा पर जा चुके हैं,मगर 21 जून को वह पहली बार राजकीय यात्रा पर अमेरिका जा रहे हैं,इस यात्रा के लिए उन्हें खास तौर से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आमंत्रित किया है। इससे पहले पीएम मोदी या तो द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने के लिए अमेरिका गए हैं या फिर किसी शिखर सम्मेलन में शामिल होने।

बता दें कि जब किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष द्वारा दूसरे देश या उसके प्रमुख को अपने देश आने का औपचारिक निमंत्रण दिया जाता है, तो उसे राजकीय यात्रा कहते हैं, पीएम मोदी की प्रस्तावित यात्रा के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन ने खुद आमंत्रित किया था। अमेरिका के लिहाज से देखें तो बेहद चुनिंदा देशों या उनके राष्ट्राध्यक्षों को ही राजकीय यात्रा के लिए निमंत्रण दिया गया है। अमेरिका से राजकीय यात्रा का न्योता केवल खास सहयोगियों या बेहद करीबी दोस्तों को ही दिया जाता है।

अमेरिका में जब किसी राष्ट्राध्यक्ष को राजकीय यात्रा का निमंत्रण दिया जाता है, तो 6 महीने पहले से ही उसकी तैयारी आरम्भ कर दी जाती है। खास बात ये है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अपने कार्यकाल में किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष को केवल एक बार ही राजकीय यात्रा का निमंत्रण दे सकते हैं,जिसके लिए बाइडेन ने पीएम मोदी को चुना है। राजकीय यात्रा में मेहमान का स्वागत बेहद भव्य किया जाता है,यह भी बताया जाता है कि इस पूरी यात्रा का खर्ज मेजबान देश ही उठाता है।

झारखंड में 17 जून तक बंद रहेंगे सरकारी और निजी स्कूल, बढ़ती गर्मी की वजह से लिया गया फैसला

रांची/एजेंसी। झारखंड के सभी स्कूलों को अब 17 जून तक बंद रखने का आदेश दिया गया है। विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है, जिसमें कहा गया है कि अब स्कूल 17 जून तक बंद रहेंगे। पहले आज यानी 14 जून तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया गया था।विभाग ने अधिक गर्मी और लू को देखते हुए यह निर्णय लिया है। केजी से क्लास 8 तक के सभी स्कूलों को 17 जून तक के लिए बंद किया गया है वहीं क्लास 9से 12 वीं तक के छात्रों को 15 जून से क्लास जाना होगा। कक्षाएं पहले की तरह ही चलेंगी। विभाग की तरफ से जारी की गयी चिट्ठी में साफ लिखा है कि अधिक गर्मी पड़ने और राज्य में लू के बढ़ते खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इस दौरान बच्चों को पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कैसे होगी इस पर भी फैसला लिया जायेगा। 14 जून तक स्कूलों को बंद करने का आदेश शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने दिया था। यह आदेश 11 जून को जारी किया गया था। जारी आदेश में सचिव ने कहा कि राज्य में अत्याधिक गर्मी पड़ने एवं लू को ध्यान में रखते हुए राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालय 12 जून से बंद रहेंगे। फिलहाल स्कूल 14 जून तक के लिए बंद किए गये हैं।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु के मंत्री को ईडी ने किया गिरफ्तार, आईसीयू में भर्ती

चैन्नई/एजेंसी। तामिलनाडु के विद्युत मंत्री वी सेंथिल बालाजी के घर पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया है कि बालाजी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें दिन में एक विशेष अदालत में पेश किया जा सकता है, जहां एजेंसी उनकी हिरासत का अनुरोध करेगी। इससे पहले बुधवार सुबह ही उन्हें एक सरकारी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। डीएमके के नेताओं का आरोप है कि बालाजी ने अपने परिसरों पर छापेमारी के बाद बेचैनी की शिकायत की थी। राज्य के मंत्री पीके सेकर बाबू ने कहा कि बालाजी की हालत देखकर ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें टॉर्चर किया गया हो। दूस–री तरफ जहां ईडी ने बालाजी को गिरफ्तार करने की जानकारी काफी देर बाद दी तो वहीं अस्पताल में बालाजी से मिलने पहुंचे डीएमके के वकीलों ने भी मामले में स्पष्टता होने से इनकार किया। तमिलनाडु के विद्युत मंत्री को अस्पताल ले जाने का जो वीडियो सामने आया, उसमें बालाजी को रोते हुए भी दिखाया गया था। इस बीच जिस अस्पताल में बालाजी को केंद्रीय अर्धसैनिक बल के जवानों को अस्पताल में तैनात किया गया।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
62,787.47+240.36 (0.38%)

निफ्टी
18,593.85+59.75 (0.32%)

मणिपुर में हिंसा थमने का नहीं ले रही नाम

मणिपुर में लगातार उग्रवादियों का हमला, नौ की मौत, 10 घायल

मणिपुर/एजेंसी।

मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। जैसे ही सरकार और आम लोगों को लगता है कि तनाव शांत हो गया है। वैसे ही फिर गोलीबारी होने लगती है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि इमफल ईस्ट जिले के खामेनलोक इलाके में देर रात गोलीबारी की एक घटना हुई। इसमें नौ लोगों की मौत, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि हथियारों से लैस उग्रवादियों ने इमफल पूर्वी जिले और कांगपोकी जिले की सीमा से लगे खामेनलोक क्षेत्र के ग्रामीणों को घेर लिया और रात करीब एक बजे हमला किया। इससे नौ लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इमफल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें, यह क्षेत्र मैतेई-बहुल इंफाल पूर्वी जिले और आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिले की सीमाओं के साथ स्थित है। वहीं, सोमवार को भी इसी इलाके में एक गोलीबारी की एक घटना हुई थी, जिसमें नौ लोग घायल हुए थे। यहां विद्रोही संगठन के लोगों और ग्रामीणों में सोमवार देर रात गोलीबारी हुई थी, जिसमें दोनों तरफ से नौ लोग घायल हुए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया था कि पहले तीन लोगों के घायल होने की खबर थी। हालांकि, गोलीबारी जारी रहने के कारण घायलों की संख्या बढ़कर नौ हो गई थी।

बिपरजॉय' गुजरात के तटीय क्षेत्रों के लिए बना मुसीबत,तटीय जिलों में आ सकती है बाढ़, भूस्खलन की भी संभावना

नई दिल्ली/एजेंसी।

चक्रवातीय तूफान बिपरजॉय ने अभी से अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। मुंबई से लेकर केरल के तट तक समंदर में तूफानी लहरें उठ रही हैं।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आज यह उत्तर की ओर और फिर सौराष्ट्र-कच्छ तट की ओर बढ़ेगा, जिसे यह 15 जून को दोपहर तक पार कर जाएगा।

एक बार फिर तटीय इलाकों में चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने बेहद खतरनाक चक्रवात बिपरजॉय के कारण गुजरात के तटीय क्षेत्रों के लिए एक तूफान की चेतावनी दी है। कहा गया है कि कच्छ,देवभूमि द्वारका,पोरबंदर,जामनगर और मोरबी जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ आने की संभावना है।वहीं,इससे पहले भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 15 जून को कच्छ जिले और पाकिस्तान के कराची के बीच भूस्खलन होने की संभावना जताई है।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

मोबाईल दुकान से तकरीबन दो लाख का मोबाइल समेत अन्य सामान चोरी,मामला दर्ज

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। गोपीकांदर खरौनी बाजार के श्रीराम चौक स्थित मां संतोषी मोबाईल दुकान से खिड़की तोड़कर बीते मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों के द्वारा लाखों का समान चोरी कर लिया गया। दुकान मालिक परितोष दास के द्वारा थाना में दिए लिखित आवेदन में कहा गया कि वह बीते मंगलवार की शाम दुकान बंद करके अपने घर पाकुड़िया चला गया। आज बुधवार की सुबह बगल के मेडिकल दुकान मालिक ने मुझे फ़ोन कर बताया कि मेरे दुकान की खिड़की को किसी अज्ञात के द्वारा तोड़ा गया है। जब दुकान पहुंचकर दुकान को खोला तो देखा कि दुकान में रखा मोबाइल,चार्जर,हेडफोन, लैपटॉप और तिजोरी में रखें नकद 2000 रूपया है।दुकान के पीछे साईड का खिड़की तोड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि करीब 2 लाख रूपए का समान अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया हैं। इस संबंध में गोपीकांदर थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है ।थाना प्रभारी दिलीप पाल ने बताया कि मामला दर्ज किया गया पुलिस जांच में जुट गई हैं।

बिजली विभाग की ओर से ऊर्जा मेला का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। गोपीकांदर प्रखंड के खरौनी बाजार पंचायत भवन परिसर में बुधवार को बिजली विभाग की ओर से ऊर्जा मेला का आयोजन किया गया। ऊर्जा मेला का उद्घाटन स्थानीय मुखिया एनोसेंट हेंब्रम के द्वारा किया गया। जिसमें एकमुश्त निपटारा योजना के तहत बिजली उपभोक्ताओं को ब्याज माफी का लाभ दिया गया। मौके पर खराब बिजली मीटर बदलने,नया बिजली मीटर का वितरण,नया बिजली कनेक्शन का लाभ,किसी भी प्रकार का बिजली विभाग के संबंधित आवेदन एवं बिजली बिल जमा हेतु शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित कनीय अभिनंता विधुत अमित कुमार ने बताया कि आज उपभोक्ताओं के बीच मुफ्त 25 बिजली मीटर का वितरण किया गया, एक नया बिजली कनेक्शन दिया गया,एकमुश्त निपटारा योजना के तहत उपभोक्ताओं से करीब एक लाख दस हजार रुपए की वसूली की गई तथा लोगों को सरकार द्वारा 100 युनिट मुक्त बिजली का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि विभागीय निदेशानुसार आगे भी इसी प्रकार ऊर्जा मेला का आयोजन किया जाएगा। इसी दौरान रानीश्वर के कनीय अभियंता विधुत दीपक कुमार गुप्ता,दीलिप सिंह,रमन राज,प्रकाश मरांडी,निमाय मंडल,लुक हांसदा, प्रदीप दास,राजेश पाल आदि उपस्थित थें।

उपायुक्त ने काठीकुंड प्रखंड के सुदूरवर्ती गाँव शिखरपाड़ा एवं बेलगुनी का किया निरीक्षण

- ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए उपायुक्त से कई मांग की
- उपायुक्त ने शिखरपाड़ा सरकारी विद्यालय तथा निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त ने काठीकुंड प्रखंड में पहाड़ी क्षेत्र में बसे गाँव शिखरपाड़ा एवं बेलगुनी का निरीक्षण किया एवं सरकार द्वारा क्रियान्विति योजनाओं का अवलोकन किया।इस दौरान उपायुक्त एवं जिला परिषद अध्यक्ष ने शिखरपाड़ा के प्रधान टोला में ग्रामीणों के साथ बैठक की।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि आपकी समस्याओं को सुनने तथा उसे दूर करने ही आये हैं।आपकी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने हेतु आवशयक कार्रवाई की जा रही है।जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि जिला प्रशासन आपकी समस्याओं को दूर करने आपके द्वार पर आयी है।जल्द से जल्द आपकी समस्याएं दूर होंगी।ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष पानी,सड़क तथा बिजली से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने का आग्रह किया।इस संबंध में उपायुक्त ने पेयजल विभाग को निदेश दिया कि 10 दिनों के अंदर प्रधान टोला में पेयजलापूर्ति की समस्या को दूर करें।उन्होंने सड़क तथा विधुत से संबंधित समस्याओं को अविलंब दूर करने की बात कही।उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण आधारभूत संरचनाओं का निर्माण में थोड़ी देरी होती है लेकिन आप सभी के सहयोग से ही आपकी समस्याओं को दूर करने का कार्य किया जाएगा।ग्रामीणों ने कहा कि सड़क के नहीं होने से स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलने में कठिनाई होती है साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिलने भी देरी होती है।किसी भी प्रकार का वाहन गाँव तक नहीं पहुँच पाता जिससे ग्रामीणों को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों ने कहा कि पानी की पर्याप्त उपलब्धता नहीं रहने आए पेयजल के साथ साथ ग्रामीणों को नहाने में भी कठिनाई होती है।बेलगुनी ग्राम के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने मिनी आंगनबाड़ी केंद्र तथा पीसीसी सड़क की मांग की।पेयजल की समस्या से भी उपायुक्त को अवगत कराया।उपायुक्त ने गांव से सटे विद्यालय में बोरिंग करने तथा मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खोलने से संबंधित निदेश दिया।उपायुक्त ने ग्रामीणों से कहा कि पीसीसी सड़क हेतु भूमि से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं।आवशयक पूरी करते हुए निर्माण कर जल्द से जल्द प्रारंभ कर दिया जाएगा।इस दौरान ग्रामीणों ने पेंशन,राशन,आवास से संबंधित समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया।प्राप्त शिकायत के आलोक में उपायुक्त ने अविलंब समस्याओं को दूर करने का निदेश दिया है।

नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन के लिए अभी करना पड़ेगा और इंतजार, कोयला रैक पॉइन्ट से प्रदूषण कम करने की हो रही पहलः अमर प्रकाश द्विवेदी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । दुमका से नई दिल्ली के लिए प्रस्तावित ट्रेन के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। दुमका से नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन शुरू करने से पहले रेलवे तकनीकी पहलुओं की जांच करेगा फिर आगे की प्रक्रिया बढ़ायी जाएंगी। वही दुमका रेलवे स्टेशन के गुड्स शेड्स और कोयला रैक पॉइन्ट के कार्य से फैल रहे प्रदूषण को कम करने पर भी रेलवे लगातार प्रयास में है। बुधवार को दुमका रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुँचे पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अमर प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि दुमका रेलवे स्टेशन को विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है। स्टेशन को मॉडल स्टेशन बनाना प्रस्तावित है।

निरीक्षण के दौरान संरक्षात्मक पहलुओं पर विशेष जोर देते हुए महाप्रबंधक ने रेलवे अधिकारियों को विभिन्न संरक्षा अनुरक्षण कार्यों और एसेट इंस्टॉलेशन के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के दौरान सभी संरक्षा मानदंडों का कड़ाई से पालन करने का भी निदेश दिया।

महाप्रबंधक ने दुमका रेलवे स्टेशन के बेहतर कायाकल्प के साथ-साथ यात्रियों को मिलनेवाली बेहतर सुविधा और रेलवे की आर्थिक उन्नति को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। यात्रियों की सुविधा लंबी दूरी की ट्रेन का परिचालन हो सके इसको लेकर पूर्व रेलवे महाप्रबंधक के द्वारा अधिकारियों को कई निर्देश दिए गए।

उन्होंने कोयला रेक साइड का भी निरीक्षण कर प्रदूषण मानकों का पालन करने का निर्देश संबंधित कंपनी को दिया।लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके इसके लिए दुमका रेलवे स्टेशन को हाईटेक बनाया जाएगा। जिसमें यात्रियों के बैठने की सुविधा से लेकर पानी और बिजली की समुचित व्यवस्था दुमका रेलवे स्टेशन में हो इसको लेकर जीएम ने अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्य करने का निर्देश दिए। वही दिल्ली जाने के लिए नई ट्रेन और पूर्वा एक्सप्रेस को दुमका रेलवे स्टेशन से चलाने के सवाल पर कहा कि जल्द ही इस पर विचार की जा रही है। कहा कि दुमका रेलवे स्टेशन की बेहतरी के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं। यात्रियों की सुविधा का ख्याल रखा जा रहा है जो जो असुविधाएं नजर आई उसे पूरा करने का निर्देश दिया गया है। वही रेलवे को आर्थिक लाभ मिले इसके लिए कोयला रेकों की संख्या बढ़ाई जाएगी। साथ ही जो प्रदूषण नियंत्रण के उपाय हैं उस उपाय को करने का निर्देश दिया गया है। वही रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग को चौड़ी करने का भी प्लान बनाया जा रहा है। आने वाले समय में दुमका रेलवे स्टेशन पूरी तरह से सुसज्जित हो इसको लेकर तैयारी की जा रही है। मौके पर परमानन्द शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल भी उपस्थित थे।

कुष्ठ रोग खोज अभियान को लेकर प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड कार्यालय में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव के अध्यक्षता में कुष्ठ रोग खोज अभियान को लेकर प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि कुष्ठ रोग खोज को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में अभियान चलाया जाना है, जिसकी शुरुआत 15 जून से होगी जो 28 जून तक चलेगा। अभियान के दौरान कुष्ठ रोगी की पहचान की जानी है,और कुष्ठ रोगियों की पहचान कर समुचित इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा लाना है। इसके लिए जेएसएलपीएस से जुड़े हुए कर्मी,आंगनवाड़ी सेविका,स्वास्थ्य सहिया एवं विद्यालय के शिक्षकों को कुष्ठ रोग खोज अभियान एवं पहचान में सहयोग करने लिए लगाया गया है।

बैठक के दौरान प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुधा कुमारी,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम टोप्पो,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशिधर मिश्रा,डॉ संजय महतो स्वास्थ्य कर्मियों में प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अनूप कुमार साह,समन्वयक अजितेश राय सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

मन का मिलन पखवाड़ा का हुआ सफल समापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा बुधवार को मन का मिलन पखवाड़ा कार्यक्रम का हुआ सफल समापन। 29 मई से ही आयोजित कार्यक्रम मे पंचायत से लेकर प्रखंडो तक के लोगों ने इसका लाभ उठाया ।कार्यक्रम मे लोग पारिवारिक विवाद के अलावे वृद्धावस्था पेंशन,आवास, राशन कार्ड और पीएम आवास सहित कई समस्याओ के निपटारे के लिए पीएलवी के जरीये डालसा को आवेदन दिया एवं लाभान्वित हुए। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि 17 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम मे अधिक से अधिक लोगों के मामलों का निष्पादन किया गया। ऐसे मे पारा लीगल वोलेंटियर को सभी दस प्रखंडो मे लगाया गया ताकि लोगो के अधिक से अधिक समस्याओ को दूर किया जा सके। इसके अलावे जिले के सभी प्रखंडों में पैरा लीगल वालंटियर के द्वारा पम्प्लेट्स को बांटकर उनके वादों को मध्यस्थ के आधार पर समाप्त करने के लिए लोगों जागरूक करने का प्रयास किया गया और लोगों को बताया गया कि इस पखवाड़ा कार्यक्रम मे लोगों को मुफ्त परामर्श की सेवाएं भी दी जा रही है। जिसका लाभ लोग उठा सकते है। डालासा के कार्यरत सहयोगी पी एल वी द्वारा कार्यक्रम मे समस्यामुलक आवेदन के अलावा लंबित या मुकदमा पूर्व स्तर के मामलों का आवेदन लिया गया और सुझाव दिए गए । कार्यक्रम 29 मई से 14 जून तक सुबह 07 से दोपहर 12 बजे तक चलाया गया जिसमें डालसा कार्यालय के प्रशिक्षित मध्यस्थ द्वारा लोगों के बीच समस्याओं का निपटारा किया गया ।

दुमका में बेखौफ हथियार बंद अपराधियों ने पेट्रोल पंप कर्मी से लूटे 5 लाख 60 हज़ार रुपए

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका-भागलपुर मुख्य मार्ग पर अमरपुर के पास इनोवा कार को जबरन रोक कर आग्नेयास्त्र के बल पर बेखौफ अपराधियों ने पांच लाख साठ हजार रुपए तथा वीवो कम्पनी का मोबाइल लूट लिया। लूट की वारदात रामगढ़ थाना क्षेत्र में घटित हुई है।अपराधियों द्वारा लूटे गए रूपये दुमका-भागलपुर मुख्य मार्ग पर नोनीहाट के पास चंद्रदीप स्थित भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पम्प मेसर्स बाबा बासुकीनाथ फ्यूल स्टेशन के थे।लूट की घटना मंगलवार की रात्रि लगभग पौने नौ बजे की है।पेट्रोल पम्प दुमका निवासी राज कुमार पटवारी का बताया जाता है।पेट्रोल पम्प के मालिक का ड्राइवर हितेश कुमार बैद मंगल वार की रात लगभग साढ़े आठ बजे पेट्रोल पम्प के दिन भर की बिक्री के पांच लाख साठ हजार रूपये लेकर चंद्रदीप से पेट्रोल पम्प के मालिक के दुमका स्थित आवास इनोवा कार से ले जा रहा था।लगभग पौने नौ बजे वो अमरपुर पहुंचा। अमरपुर में सड़क पर बने ब्रेकर के पास दो बाइक पर सवार चार युवकों ने इनोवा कार को ओवर टेक किया तथा लोहे के रॉड से इनोवा के ड्राइवर की तरफ की खिड़की के शीशे पर प्रहार कर खिड़की का शीशा तोड़ दिया।जबकि दूसरे बाइक सवार ने बाइक को इनोवा के आगे खड़ा कर दिया।इसके बाद कार के रुकते ही दूसरी बाइक पर सवार युवकों ने ड्राइवर के ऊपर आग्नेयास्त्र तान दिया।इसके बाद गाड़ी की पिछली खिड़की का शीशा तोड़कर सीट पर रखा रुपयों से भरा बैग तथा ड्राइवर का वीवो कम्पनी का मोबाइल फोन लूट कर पलक झपकते ही दुमका की तरफ तेजी से भाग गए। लूट के शिकार कार चालक हितेश कुमार बैद के अनुसार चारो लुटेरे पैंट-शर्ट पहने हुए थे।दो लुटेरे अपाचे बाइक तथा अन्य दो लुटेरे होंडा हॉर्नेट बाइक पर सवार थे।इसके बाद ड्राइवर ने सड़क से गुजर रहे किसी ऑटो वाले के फोन से पेट्रोल पम्प के मालिक को लूट की सूचना दी।इसके बाद मालिक द्वारा पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय के नेतृत्व में रामगढ़ थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा मामले की जांच शुरू की।मामले की गंभीरता को देखते हुए काठीकुंड प्रभाग के सर्किल इंस्पेक्टर सुशील कुमार तथा जरमुंडी प्रक्षेत्र के अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी शिवेंद्र भी रात में ही घटनास्थल पर पहुचे।दुमका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुड़ाबहाल ग्राम निवासी कार चालक हितेश कुमार बैद के बयान पर रामगढ़ थाने में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय ने बताया कि लूट की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वरीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में मामले की जांच की जा रही है। संदिग्ध अपराधियों के ठिकानों पर छापामारी जारी है।मामले का शीघ्र ही उद्भेदन कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी एवं लू को ध्यान में रखते हुए कक्षा केजी से कक्षा 8 तक के जिले के सभी विद्यालय 17 जून तक रहेंगे बंद

- **कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाएं 15 जून से पूर्व की भांति संचालित होगी**

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अत्यधिक गर्मी पड़ने एवं लू को ध्यान में रखते हुए जिले में संचालित सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त/ गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में कक्षा केजी से कक्षा 8 तक दिनांक 17 जून तक बंद करने का निर्देश जारी हुआ है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार द्वारा यह निर्देश जारी किया गया है। जिले के उपायुक्त श्री वरुण रंजन ने कहा कि बढ़ती गर्मी एवं तापमान से बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है, इसको देखते हुए कक्षा केजी से कक्षा 8 तक के जिले के सभी विद्यालय 17 जून तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। वहीं कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाएं दिनांक 15 जून से पूर्व की भांति संचालित होगी। इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होने वाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से निर्णय लेते हुए संसूचित किया जाएगा।

विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक की

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उपायुक्त-सह-जिला-जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में बुधवार को उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार दास ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम कार्यक्रम को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में एक जून 2023 से पूर्व पूनरीक्षण एवं 17 अक्टूबर 2023 से मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रारम्भ होने संबंधी जानकारी दी गई। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि आयोग से प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार प्रि-रीविजन संबंधित गतिविधियों के सम्पादन के लिए एक जून 2023 से 16 अक्टूबर 2023 तक अवधि निर्धारित है। इसके तहत आवशयकतानुसार मतदान केन्द्रों का विखण्डीकरण, अनुभाग का शुद्धिकरण तथा मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन के पूर्व प्राप्त ऑनलाईन प्रपत्र-6, 6 क, 6 ख 7 एवं 8 प्रपत्रों का निष्पादन किया जाना आपेक्षित है। बैठक में छुटे योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने हेतु किये जाने वाले कार्यो की चर्चा उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से करते हुए उक्त कार्य हेतु आवशयक सहयोग करने की बात कही। साथ ही सभी राजनीतिक दलों से एक-एक बुथ लेवल एजेन्ट नियुक्त करते हुए इसकी सूची उपलब्ध कराने की बात भी कही।

एंडवेर अकादमी में नामांकन को लेकर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए दो दिन शेष

- **18 जून को धनुषपुजा मध्य विद्यालय में होगी परीक्षा**

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। एंडवेर अकादमी में नामांकन को लेकर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए दो दिन शेष बचे है। 16 जून तक इच्छुक छात्रों को आवेदन फॉर्म डीएसई कार्यालय में जमा कराना होगा। आवेदन फॉर्म प्रखंड के बीआरसी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। 18 जून को सदर प्रखंड के धनुषपुजा मध्य विद्यालय में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा के दो दिन बाद परिणाम घोषित किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा में सफल हुए छात्र 21 जून से 30 जून तक अपना नामांकन करा सकते है। बतादें कि उपायुक्त के प्रयास से सीएसआर के तहत बीजीआर माइनिंग द्वारा एंडवेर अकादमी माध्यम से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को लेकर जिले के छात्रों की निःशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है। उपायुक्त श्री वरुण रंजन ने कहा कि इस इलाके में बहुत से छात्र हैं जो पढ़ने में बहुत अच्छे हैं लेकिन वो आर्थिक दिक्कतों की वजह से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी नहीं कर पाते है। वैसे छात्रों को ध्यान में रखते हुए कोचिंग संस्थान का संचालन किया जा रहा है। जहां 400 छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी निःशुल्क में कराई जाएगी। साथ ही उन्हें स्टडी मटेरियल भी फ्री में उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने छात्रों से प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन फॉर्म भरकर डीएसई कार्यालय में जमा कराने की अपील की है।

ट्रक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सिमलोंग ओपी क्षेत्र के सिमलोंग घरमपुर मुख्य सड़क कुटलो गांव के समीप बुधवार को तेज रफ्तार ट्रक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. जानकारी के अनुसार ट्रक गोड्डा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा था कि कुटलो गांव के समीप असंतुलित होकर सड़क से नीचे जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. हालांकि घटना में चालक और उपचालक को किसी प्रकार का चौट नही आई है.

रघुवर पप्पू के घर पहुंचे, ढांढस बंधाया

जमशेदपुर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संरक्षक सरदार गुरदीप सिंह पप्पू के घर पहुंचे। उनकी मां सरदारनी बचन कौर के निधन पर शोक संवेदना जाहिर किया और परिजनों को ढाढस बंधाया।

वरिष्ठ भाजपा नेता पप्पू के पिता एवं रागी गुरुदयाल सिंह से भी मिले और उनसे उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की और हौसला रखने को कहा।

उन्होंने कहा कि बचन कौर सब कुछ देख गई है और उनके आशीर्वाद से ही परिवार भरा पूरा है और ईश्वर की इस रजा में रहना है।

उनके साथ भाजपा महानगर महासचिव राकेश कुमार सिंह भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह एवं अन्य थे।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री प्रदीप कुमार बलमुचू भी पप्पू के सीतारामडेरा स्थित आवास पहुंचे और परिजन से मिलकर अपनी शोक संवेदना जाहिर की गत 8 जून को सरदारनी बचन कौर का निधन हो गया और 17 जून शनिवार की दोपहर साढ़े बारह बजे साकची गुरुद्वारा साहिब में अंतिम अरदास होगी।

जी 20 अंतर्गत फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी थीम के तहत निपुण भारत मिशन को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

डीपीआरओ डॉ. चंदन ने कहा शिक्षा से बेहतर कोई गिफ्ट नहीं है जो हम समाज को वापस दे सकते हैं

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः जी 20 अंतर्गत फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी थीम के तहत निपुण भारत मिशन को लेकर केन्द्रीय विद्यालय सिंगारसी के द्वारा जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जी20 अंतर्गत 15 मई 2023 से 15 जून 2023 तक की अवधि को फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी थीम के रूप में चयनित किया गया है। इस दौरान फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी थीम के तहत देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी की अध्यक्षता में सूचना भवन सभागार में फाउंडेशनल लिटरेसी एन्ड न्यूमेरेसी थीम के तहत निपुण भारत मिशन को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला के दौरान अपने संबोधन में जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती रजनी देवी ने नई शिक्षा नीति 2020 के संबंध में विभिन्न जानकारियां देने के क्रम में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास के मद्देनजर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी में एक है निपुण भारत मिशन (नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमैरेसी) जिसके तहत कक्षा 3 अथवा 9 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए एक ऐसे वातावरण का निर्माण किया जाना है जिसमें बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को पर्याप्त रूप से सशक्त किया जा सके। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन ने कहा कि विद्यालय में एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए जिसमें बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान को पर्याप्त रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया जा सके। कहा कि बदलते दौर में शिक्षकों को भी पढ़ाने की विधा को बदलना होगा, बच्चा क्या सुन रहा, कितना समझ रहा फिर उसे कैसे लिख रहा है इसपर ध्यान देने की आवशयकता है । उन्होने कहा कि शिक्षक अगर बच्चों के मनोभाव को समझते हुए रूचिकर तरीके से विषयों को पढ़ायें तो जरूर बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। एक बार बच्चों में विषयों को लेकर रूचि जागृत हो जाए तो बाद में ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं होगी। हमारे सामने चुनौती है कि कैसे ग्रामीण परिवेश के बच्चों में मैथ्स और साइंस का को लेकर डर है उसे दूर भगायें। उन्होने कहा कि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के पढ़ाई-लिखाई के मामले में उनके मां-बाप हम ही हैं। शिक्षा से बेहतर कोई गिफ्ट नहीं है जो हम समाज को वापस दे सकते हैं। वक्ता के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार रमेश भगत ने कहा कि पहले हम अमेरिका से मिल रहे मकई के दारे से अपना पेट भरते थे आज हम अमेरिका को सॉफ्टवेयर इंजिनियर दे रहे हैं. यह भारत की ईमर्जिंग की कहानी है। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी, सम्मानित अतिथि जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी जुही रानी, केवी सिंगारसी के प्राचार्य गिनीश कुमार एन, डीएवी के प्राचार्य विश्वदीप चक्रवर्ती, संत जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल रामपुरहाट के प्राचार्य बिभुदत्ता मोहंती सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक मौजूद थे।

बारिश नहीं होने पर किसान परेशान, वही भीषण गर्मी से जनजीवन अस्त व्यस्त

समय पर बारिश नहीं होने से खरीफ फसल को हो सकता है नुकसान

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

विजय रविदास। हिरणपुर(पाकुड़)ः लगातार दूसरे साल भी कम बारिश होने की आशंका से किसान परेशान वही दिनोदिन बढ़ती गर्मी से जहां जनजीवन अस्त व्यस्त है, तालाब और कुआं सूख चुका है, आमजन पानी के लिए पानी पानी हो रहे हैं, वही किसान धान के फसल को लेकर मायूस है। हिरणपुर प्रखंड ही नहीं पूरा क्षेत्र कृषि पर आधारित, खासकर धान के उपज पर पूरा वर्ष निर्भर रहता है। जहां पिछले वर्ष भी अपेक्षित वर्षा ना होने से किसानों की उपज सामान्य से कम रही। वही वर्षा भी सामान्य से बहुत ही कम रहा, फल स्वरुप परिणाम इस वर्ष आम लोगों को झेलना पड़ रहा है। एक और जलस्तर घट जाने के कारण प्रायः कुआं और तालाब ही नहीं स्थानीय नदी पिछले वर्षों से सूखा पड़ा हुआ है। इस वर्ष भी धान का बिछड़ा डालने के उपरांत भी समुचित बर्षा नहीं होने से किसानों में मायूसी ही नहीं मातम की स्थिति है, वही भीषण गर्मी से आमजन परेशान तो हैं ही, वही पेयजल को लेकर प्रायः कुंआ और तालाब तो पिछले वर्ष से ही सूखा पड़ा हुआ है, यू कहे पेयजल को लेकर पूरे प्रखंड में त्राहिमाम मचा हुआ। जबकि हिरणपुर प्रखंड का एकमात्र परगला नदी भी पिछले वर्ष से सूखा पड़ा है, जो एकमात्र हरी सब्जी, और अघनि और रवि फसल का स्रोत था जो पिछले वर्ष से अंतिम सांस ले रहा है, इस वर्ष भी यही स्थिति देखकर आम लोग तो परेशान हैं ही, खासकर किसान काफी चिंतित अधनि फ़सल को लेकर। प्रखंड वासियों के लिए विडंबना यह है की करोड़ों खर्च होने के बावजूद दशकों से हिरणपुर के तोराय जलाशय योजना अब तक अधर में लटका हुआ,अगर तोराय जलाशय योजना चालू रहता तो कम से कम किसानों की समस्या तो दूर होती ही क्षेत्र में कई फसल भी उपस्थित थे जिसके लिए किसान अब जागरूक भी हो चुके हैं परंतु सरकारे आई और गई सांसद और विधायक भी आते और चलते बने सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही आम लोगों को मिला, तोरई जलाशय योजना अगर जल्द प्रभावित होता तो हिरणपुर प्रखंड फसल के मामले में काफी आगे रहता। फसलों की हरियाली में आमजन गर्मी तो झेल लेते वहीं किसानों की फसल के प्रति चिंता दूर हो जाती, लेकिन वर्तमान परिस्थिति में राम भरोसे ही किसान और आमजन जी रहे हैं, इस आस में बादल छाएगा पानी बरसेगा के तर्ज पर काश कोई तो मसीहा आएगा और तोराय जलाशय योजना प्रारंभ कराएगा और की पानी की समस्या को दूर करेगा।

पीएफआई के नेता सह जिला परिषद सदस्य हंजेला शेख को एसडीजीएम कोर्ट ने सुनाई 3 साल कैद, लगाया 10 हजार का जुर्माना

- **हंजला शेख के जिप सदस्यता पर मंडरा सकता है खतरा**

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । झारखंड में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के लीडर और पाकुड़ जिला परिषद के सदस्य हंजला शेख को बुधवार को एसडीजीएम कोर्ट ने सजा सुनाई है। हेजला के खिलाफ गवाहों द्वारा दर्ज बयान और अभियोजन पक्ष के द्वारा दी गई दलील को सुनने के बाद एसडीजीएम निर्मल कुमार भारती की कोर्ट ने उन्हें 3 साल की सश्रम कारावास और अर्थदंड के रूप में 10 हजार की सजा सुनाई है। जीआर वाद संख्या 120/2020 के मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक महेंद्र दास और बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता बजले अहमद ने पैरवी की। लोक अभियोजक महेंद्र दास ने बताया कि मुफ्फसिल थाने में दर्ज कांड संख्या 87/2019 में हंजला शेख प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से संबंध रखने और पीएफआई के जरिए इलाके में अशांति फैलाने को लेकर इन पर मामला दर्ज हुआ था। लोक अभियोजक श्री दास के द्वारा बताया गया कि एसडीजीएम निर्मल कुमार भारती की कोर्ट ने अभियुक्त हंजला शेख को क्रिमिनल लॉ एमेंमेंनेंट एक्ट की धारा की तहत उन्हें दोषी पाया गया और उन्हें 3 साल की सश्रम कारावास एवं 10 हजार का अर्थदंड सुनाई गई। लोक अभियोजक ने बताया कि अभियोजन के तरफ से 12 लोगों की गवाही दी गई। लोक अभियोजक ने सरकारी पक्ष को पुरजोर तरीके से न्यायालय में रखा उधर अपने खिलाफ सजा सुनाए गए सजा को लेकर पीएफआई नेता हंजला ने कहा कि न्यायालय का आदेश का हम सम्मान करते हैं उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्य हमने कानून के दायरे में रहकर किया है निचली अदालत के फैसले को लेकर ऊपरी अदालत में अपील करेंगे इधर हंजला को तीन साल की सजा सुनाए जाने पर जिला परिषद की सदस्यता के पद पर खतरा मंडराने लगा है हालांकि सजा सुनाने के बाद हंजला को न्यायालय के द्वारा जमानत दे दी गई है।

नीट यूजी 2023 में एक ही परिवार के तीन सगे भाई बहनों ने लहराया पाकुड़ का परचम

डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करने का हैं लक्ष्य

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः नेशनल टेस्टिग एजेंसी ने स्नातक मेडिकल दाखिला परीक्षा नीट यूजी 2023 का रिजल्ट आज जारी किया हैं। नीट की परीक्षा में पाकुड़ शहर से महज 7 किलोमीटर की दूरी पर बंगाल सीमा पर बसा भवानीपुर गांव में एक ही परिवार के तीन सगे भाई बहन कामयाबी का परचम लहराया है। भवानीपुर के रहने वाले अकमल हुसैन अपने बेटे जावेद अख्तर बेटी अलीशा तस्नीम ओर अजीफा परवीन की कामयाबी पर काफी खुश है उनकी बच्चे नीट एग्जाम में पहली बार शिरकत हुए और बेहतर अंक हासिल कर कामयाबी हासिल की उन्होंने बताया कि जावेद अख्तर को 648 रैंक, अनीशा तस्नीम को 587 रैंक और अजीफा प्रवीण को 594 रैंक हासिल हुआ है तीनो भाई बहन एक साथ कोटा में रह कर एलन कोचिंग मैं क्लास की तैयारी की और पहली बार में ही सफलता हासिल की। पिता अकरम हुसैन ने बताया कि जाहिद अख्तर ने संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल मुसाबनी से 94.6 प्रतिशत अंक के साथ आईसीएसई बोर्ड से मैट्रिक पास किया था। जबकि शिव ज्योति इंटरनेशनल स्कूल कोटा राजस्थान से 95.2 प्रतिशत अंक के साथ इंटर में सफलता हासिल किया था। अनीशा तसनीम ने संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल मुसाबनी से 92 प्रतिशत अंक के साथ मैट्रिक पास की थी। इंटर की पढ़ाई शिव ज्योति इंटरनेशनल स्कूल कोटा से किया था। इंटर में 89.6 प्रतिशत अंक हासिल की थी। अजीफा परवीन ने संत जोसेफ स्कूल पाकुड़ से मैट्रिक पास किया था। मैट्रिक में 89 प्रतिशत अंक मिला था। इंटर की पढ़ाई संत जोशेफ मुसाबनी से पूरी की थी। इंटर में 83 प्रतिशत अंक मिला था। तीनों सगे भाई बहनों ने नीट की परीक्षा में इतिहास रचा है। यह पाकुड़ जिले के लिए गर्व की बात है। एक ही परिवार से तीन सगे भाई बहनों का देश के प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नीट में सफलता हासिल करना वाकई में किसी चमत्कार से कम नहीं है। तीनो भाई बहनों ने यह साबित कर दिया है कि किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए मेहनत जरूरी होता है और मेहनत में जितना पसीना बहाया जाता है सफलता का रंग भी उतना ही चमकदार होता है। यह बताना भी जरूरी होगा की जाईद अख्तर, अनीशा तसनीम और अजीफा परवीन के पिता अकमर हुसैन पेशे से प्राइमरी शिक्षक हैं। पिता अकमर हुसैन का जीवन भी काफी संघर्ष भरा रहा है। उन्हें भवानीपुर गांव में ही पारा शिक्षक के रूप में नौकरी मिली थी। जिससे बच्चों को पढ़ाना थोड़ा मुश्किल हो रहा था। इसलिए उन्होंने ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। इसी बीच साल 2016 में जमशेदपुर में प्राथमिक विद्यालय धोबनी में प्राइमरी शिक्षक के रूप में नौकरी मिली। परिवार के साथ गांव से जमशेदपुर चले गए। अपने संघर्ष भरे जीवन में बच्चों को पढ़ाने का संकल्प ले रखा था। जिसे उन्होंने पूरा करने का हर संभव कोशिश किया। तीनों बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए राजस्थान भेज दिया। जहां से तैयारी के बाद पहली बार नीट की परीक्षा में एक साथ शामिल हुए। परिणाम भी बहुत ही शानदार निकला। पिता अकमर हुसैन और मां तोलियारा खातून बच्चों की सफलता से काफी खुश हैं। पिता अकमर हुसैन ने बताया कि तीनों बच्चे एमबीबीएस की पढ़ाई करेंगे। तीनो भाई बहनों का डॉक्टर बनकर देश सेवा करने की तमन्ना है। आगे की पढ़ाई के लिए उन्हें जितना भी मेहनत करना पड़े,करेंगे। इधर तीनो भाई बहनों की शानदार सफलता से भवानीपुर गांव में जश्न का माहौल है। पिता अकमर हुसैन को दूरभाष पर गांव से लगातार बधाई और शुभकामनाएं मिल रही है।तीनों बच्चों ने कहा कि आज हमलोग जिस मुकाम में भी है,प्रारंभिक पढ़ाई से लेकर नीट क्वालीफाई तक मेरे माता पिता का हाथ है, और आगे भी रहेगा।

जब माता के साथ नीट की तैयारी और आगे की पढ़ाई के लिए कोटा राजस्थान आ गए तो पिता खाना खुद बनाकर खाते, हम भाई बहनों को मंजिल तक पहुंचाने के खुद कष्ट किये।अपनी हर खुशी को हमलोगों पर न्योछावर कर दिया। बच्चों ने कहा खुदा ऐसे माता पिता सभी को दे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

जेएमएम ने राज्य के खनिज सम्पदा को लूटने का काम किया है, सोरेन परिवार ने राज्य का नहीं अपना विकास किया: वसुंधरा राजे

वसुंधरा राजे ने आमजनों से की दुमका की सभी 6 विधानसभा एवं दुमका लोकसभा सीट पर भाजपा को जीत दिलाने की अपील

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से जामा प्रखंड के विजय राय जनजातीय उच्च विद्यालय कैराबनी मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि देवघर के साथ दुमका में भी जल्द ही एयरपोर्ट बनेगा जिससे लोगो को दुमका से पटना, दिल्ली एवं अन्य राज्यो में आने जाने में कोई दिक्कत नही होगी और समय की भी बचत होगी.कहा कि दुमका में एयरपोर्ट बनने का मतलब बासुकीनाथ तक लोगो को पहुंचाना मुमकिन होगा.उन्होंने कहा कि झारखंड में माफिया गिरी बहुत जोरो पर चल रही है। सोरेन परिवार जमीन घोटाला समेत संसाधन के दुरुपयोग में लगा है.झारखंड में लम्बे समय से सोरेन परिवार का राज चल रहा हैं।लेकिन झारखंड सरकार विकास नही कर सकी।मोदी जी ने नौ वर्षों में पूरे भारत के राज्यो को चमकाया लेकिन सोरेन परिवार ने कुछ भी नही किया। झारखंड के विकास के लिए अलग राज्य अटल जी के नेतृत्व में बनाया ओर झारखंड में विकास की बुनियाद खड़ी की. भाजपा के जाने के बाद जेएमएम ने राज्य के खनिज सम्पदा को लूटने का काम किया है, सोरेन परिवार ने राज्य का नहीं अपना विकास किया है।झारखंड का निर्माण खनिज संपदा को राज्य और देश के हित में लगाना था।कहा किझारखंड में आज न बच्चे,न मां और न बेटी कोई भी सुरक्षित नहीं हैं।

भाजपा सरकार ने कभी किसी से जात धर्म के नाम पर राजनीति नही की।दुमका जिला में एक ही परिवार ने एकछत्र राज किया। मोदी जी ने पुरे विश्व में भारत का नाम रौशन किया है।सर्जिकल स्ट्राइक करके दुश्मनों में भी खौफ ला दिया। आतंकवाद की जड़े हिला दी। मोदी जी के कार्यकाल में काफी विकास हुआ।पीएम की अगुवाई वाली सरकार ने सभी को मुफ्त में रसोई गैस सिलेंडर दिया।लोगो को आयुष्मान कार्ड देकर मुफ़्त में इलाज करवाया।झारखंड में पांच मेडिकल कॉलेज,24 अस्पताल बनवाया।चोदह यूनिवर्सिटी बनवाए, दो केन्द्रीय विद्यालय खुलवाए,612 कॉलेज बने, पांच मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई।24 अस्पताल भी बन गए।

13 करोड़ से बढ़ा कर इकतीस करोड़ लोगो को नया गैस सिलेंडर दिया।सभी घरों में शौचालय बनवाए। बीमार लोगों को मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड दिया।

दुमका के लिए सात पैसेंजर ट्रेनें दी,दो ट्रेनों का विस्तार किया गया। दुमका में सबसे लंबे पुल का निर्माण भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में किया गया जो नरेंद्र मोदी ने झारखंड वासी को तोहफा दिया है।

वसुंधरा राजे ने आम जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि दुमका की सभी छः विधानसभा सीट पर भाजपा को जीत दिलाएं ओर दुमका लोकसभा सीट से भाजपा सांसद को एकबार फिर जीता कर मोदी जी को दोबारा प्रधान मंत्री बनाने में मदद करें। मोदी जी के लिए अपने लिए नही बल्कि आप अपने भविष्य के लिए कमल फूल पर बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताएं और आज से संकल्प ले की तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है।सभा को संबोधित करते हुए दुमका सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि झारखन्ड सरकार गरीब विरोधी सरकार है. झामुमो सरकार ने यहां के संसाधन कोयला, गिट्टी,बालू,लोहा को बेचने का काम किया है।युवाओं और किसानों को ठगने का काम किया है जबकि भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की धारा को समाज के अंतिम लोगों तक पहुंचाने का काम किया है.बिजली,पानी,शौचालय, आयुष्मान कार्ड,गैस सिलेंडर सबको देने के काम किया। साथ ही सभी गरीबों को पक्का मकान देने का काम किया।

उन्होंने खोरठा में महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जेते काम होलो छे मोदी जी करले छै, दोसरा पार्टी बहकावे छै,गैस देल्के,घर दिलो छे,गैस मिलला से आज माता बहन खाना बना रहल छे,काम करले छिये आरो काम करबे,अपनो बेटा के एमएलए,एमपी में जीतावो।शिबु सोरेन परिवार दारू मुर्गा खिलाए पिलाए के वोट ले लेकर जाल बच्चा के भविष्य बिगाड़ देलके,सोची समझी के वोट करिहो।सारठ विधानसभा के विधायक रणधीर सिंह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार की ओर से कल्याणकारी योजनाएं जो आम गरीब किसानों को मिल रही थी किसान सम्मान निधि का लाभ किसानों को मिल रहा था उसमें भी आम लोगों को नाम हटा दिया गया। गरीब कल्याण योजना के तहत मिलने वाले रू 1 किलो खाद्यान्न जिसको सरकार ने मुफ्त कर दिया है। हेमंत सरकार नकली धोती साड़ी ओर लुंगी देकर मुंबई की मफतलाल कंपनी को मालामाल कर दिया और गरीबों को ठगने का काम किया।मौके पर जामा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुरेश मुर्मू ने कहा कि मोदी जी के कार्यकाल में पुल पुलिया सड़क का निर्माण हुआ.झारखंड में विकास की गति तेज हुई जबकि झारखंड सरकार ने आते ही लोगो को छलने का काम किया। नौजवानों को रोजगार देने की बात कहकर गद्दी में बैठी लेकिन ये वादा भी इसका अभी तक अधूरा ही रहा।रैली को पूर्व विधायक डॉ लुईस मरांडी,नाला विधानसभा के पूर्व विधायक सत्यानंद झा बाटुल, जामताड़ा के वीरेंद्र मंडल,क्लस्टर प्रभारी राकेश प्रसाद,संघठन प्रभारी सतेंद्र कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन ने की मंच का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन दुमका जिला महा मंत्री विवेकानंद राय ने किया.इस मौके जिला उपाध्यक्ष गौरव कांत,धर्मेंद्र सिंह बिट्टू,दीपक स्वर्णकार,सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह मुन्ना,युवा मोर्चा अध्यक्ष रूपेश कुमार सीताराम मिश्र,मंडल अध्यक्ष राजू दर्वे,सिकंदर यादव, भाजपा नेता इंद्रकांत यादव, हराधन मरीक,राजेश खिरहर,गफ्फार खान वीरेंद्र साव, रामजस मांझी आदि मौजूद थे।

दुमका चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा रेल मंत्रालय से दिल्ली एवं अन्य जगहों के लिए ट्रेन की मांग रखी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा रेल मंत्रालय , भारत सरकार से गोड्डा से चलने वाली आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन को गोड्डा से दुमका होते हुए दिल्ली, तथा कोलकता से दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस को कोलकात्ता से रामपुरहाट होते हुए भाया दुमका से जसीडीह पटना होते हुए दिल्ली के लिए एवं स्टेशन परिसर को प्रदूषण मुक्त और साफ सफाई रखने के अलावे यात्री से जुड़े अन्य सभी सुविधाएं मुहैया कराने की मांग की। इससे व्यापार बढ़ने के साथ साथ झारखंड की उपराज्यधानी दुमका वासियो को सीधी पटना दिल्ली एवं अन्य जगहों से जुड़ने से कई लाभ मिलेगा। मांग की प्रतिलिपि सासंद दुमका सनील सोरेन को भी दिया गया। चेम्बर के अध्यक्ष मुस्ताक अली खोखन दा ने कहा दुमका रेलवे स्टेशन से कोयलाऔर पत्थर के परिवहन से रेलवे को काफी ज्यादा राजस्व का आय होता है, रेलवे को दुमका वासियों के भावना का ख्याल रखना चाहिए। संरक्षक सियाराम घिडिया ने बताया दुमका में कई स्कूल कॉलेज मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक और विश्वविद्यालय है व्यापार और उद्योग के विस्तार के लिए बेहतर परिवहन सुविधाओं की आवश्यकता है। उपाध्यक्ष पवन भलोटिया ने कहा दिल्ली, पंजाब, बेंगलुरु और हरियाणा के लिए भी दुमका से सीधी रेल सेवा चालू होनी चाहिए जिससे कि दुमका और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को व्यापार में बढ़ोतरी होगी और आवागमन की सुविधाएं प्राप्त होगी मौके पर अध्यक्ष मुस्ताक अलि खोखन दा ,सचिव डा.मनोज कुमार घोष ,संरक्षक सियाराम घिड़िया, संजय भलोटिया, प्रवीण मेहारिया, उपाध्यक्ष पवन भलोटिया, अजित दारूका सहित अन्य मौजूद थे।

जिला प्रमुख प्रो सौरभ सिन्हा, जिला संयोजक जयंत कुमार एवं विभाग छात्रा प्रमुख बने कशिश गुप्ता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् का प्रांत अभ्यास वर्ग 8 से 11 जून 2023 तक बाबा वंशीधर और मां गढ़देवी की पावन धरा गढ़वा में आयोजित अभाविप झारखंड प्रदेश के प्रदेश अभ्यास वर्ग आयोजित था ।अभाविप के प्रदेश अभ्यास वर्ग में प्रांत के लगभग 300 कार्यकताओं ने भाग लिया। अभाविप झारखंड प्रांत अभ्यास वर्ग का विधिवत उद्घाटन राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. सुमनलता, प्रदेश मंत्री सोमनाथ भगत एवं प्रदेश संगठन मंत्री राजीव रंजन ने दीप प्रज्यतित कर किया। प्रदेश अभ्यास वर्ग में 4 दिनों तक चलने वाले विभिन्न सत्रों के माध्यम से कार्यकताओं को परिषद के सिद्धांत एवं शैक्षणिक संस्थानों में चल रही गतिविधियों से परिचय कराया गया। अभाविप का मूल सिद्धांत ज्ञान शील एवं एकता के माध्यम से राष्ट्र पुनर्निर्माण के संकल्प को दोहराया गया। प्रांत अभ्यास वर्ग के अंतिम दिन प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद एका के द्वारा नए दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें दुमका जिला से प्रो सौरभ सिन्हा को जिला प्रमुख तथा जिला संयोजक जयंत कुमार, सह संयोजक लखींद्र देहरी, विभाग छात्रा प्रमुख कशिश गुप्ता को दायित्व दिया गया । इस अभ्यास वर्ग में दुमका के विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे , प्रांत जनजातीय कार्य प्रमुख मनोज सोरेन, नगर विस्तारक धनंजय सहा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लखीराम मंडल, सुमंत कुमार, नेहा कुमारी, साक्षी कुमारी, खुसबु कुमारी , गायत्री कुमारी, स्मिता कुमारी , मनीष , सुभम गुप्ता आदि कार्यकर्ता सम्मलित हुए।

अलीगंज फुटबॉल मैदान परिसर में चलाया गया जनजागरण अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आदिवासी व मूलवासियों के संवैधानिक मौलिक हक अधिकार व संरक्षण के लिए संघर्षरत जनसंगठन आदिवासी मूलवासी विकास मोर्चा की ओर से आज रानीश्वर प्रखंड अंतर्गत दक्षिणजोल पंचायत के ग्राम अलीगंज स्थित फुटबॉल मैदान परिसर में जनजागरण अभियान चलाया गया। जनजागरण अभियान का नेतृत्व केन्द्रीय अध्यक्ष हाबिल मुर्मू ने किया। कार्यक्रम में आमजनों के संवैधानिक मौलिक हक अधिकार से जुड़े सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं और लाभ के बारे में परिचर्चा की गई।इस मौके पर वृहत स्तर पर यह चर्चा हुई कि सरकारी लाभ से वंचित वर्ग स्वयं संगठित होकर सरकारी कार्यालय के संबंधित विभाग से नेटवर्किंग करने और हित-अहित के बातों को नियमित रूप से बुलंद करते रहे । बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों ने सकारात्मक चर्चा को बढ़ाते हुए कहा कि सरकार द्वारा दी जानेवाली सेवाओं और सहयोग के अनुसार प्रक्षेत्र पर सामाजिक विकास की रूप रेखा तय करेंगे। मौके पर जनहित को मद्देनजर रखकर आदिवासी मूलवासी विकास मोर्चा के नियमित जनसंघर्ष और जनसेवा की विचार धारा से प्रभावित होकर दो दर्जन से अधिक प्रतिभागियों ने आदिवासी मूलवासी विकास मोर्चा का दामन थाम कर सहर्ष प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किया। इस अभियान पर सुबास्टेन हाँसदा,लुखीराम किस्कू,लोगेन राय, दीपक राय,अमीन मुर्मू,अफजल अंसारी,सुनीराम मरांडी,लुखीराम हाँसदा,और परमेश्वर हाँसदा सहित अन्य ग्रामीण महिला-पुरूष उपस्थित हुए। इस दरम्यान दो दर्जन से अधिक महिला-पुरुषों ने आदिवासी मूलवासी विकास मोर्चा का दामन थामकर सहर्षपूर्वक सदस्यता ग्रहण किया ।प्रक्षेत्र के कुशल समाज सेवी परमेश्वर हाँसदा और अफजल अंसारी ने जनजागरण अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य भूमिका निभाई।

नावाडीह में शेड युक्त ग्रामीण हाट निर्माण को भूमिपूजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

नावाडीह (बेरमो)। नावाडीह प्रखंड के सदर पंचायत नावाडीह अंतर्गत बाजारटांड मे लगने साप्ताहिक हाट में शेड युक्त ग्रामीण हाट निर्माण का भूमि पूजन बुधवार को शिक्षा मंत्री स्व जगरनाथ महतो के पुत्र अखिलेश कुमार महतो, प्रमुख पूनम देवी, जिप सदस्य फुलमती देवी, नाबार्ड के डीडीएम फिलोमन बिलुंग ने संयुक्त रुप से किया । जिसके बाद नारियल फोड़ कर काम का शुभारंभ किया गया । यह शेड युक्त ग्रामीण हाट का निर्माण नाबार्ड की ओर से किया जाएगा । शिक्षा मंत्री के पुत्र अखिलेश कुमार महतो ने कहा कि यहां शेड युक्त ग्रामीण हाट निर्माण से बाजार पहुंचने वाले को सहूलियत होगी । प्रमुख पूनम देवी ने कहा कि यहां बीते पच्चास वर्षों से साप्ताहिक हाट लगता आ रहा है । हाट में आसपास के किसान अपने फसल, साग सब्जी को बेचने पहुंचते है । बड़ी संख्या में ग्रामीण खरीददारों की भीड़ रहती है । किन्तु यहां सुविधा के नाम पर कुछ नहीं रहने से हाट पहुंचने वाले लोगों को कई समस्या होती थी । बारिश के समय पानी गिरने से सर तक छिपाने में दिक्कत होता था । इस समस्या को ध्यान में रख नाबार्ड की ओर से आधुनिक शेड युक्त ग्रामीण हाट का निर्माण कराया जा रहा है । इसके निर्माण के बाद विक्रेता पक्का चबूतरा पर लगा शेड में बैठकर सब्जी बेच सकते है । उन्हें गर्मी व बारिश में परेशान होने की जरुरत नहीं पड़ेगा । इसके अलावा यहां एक गोदाम, शौचालय, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आदि की भी व्यवस्था किया जाएगा । नाबार्ड के डीडीएम फिल्मोन बिलुंग ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को नाबार्ड निरंतर काम कर रही है । इससे पहले नावाडीह प्रखंड के जुड़ामना में पहला शेड युक्त ग्रामीण शेड का निर्माण कराया गया है । साथ ही यहां पहुंचने वाले की समस्या को ध्यान में रख कई सुविधा मुहैया कराया जा रहा है । जिससे विक्रेता व खरीददारों को कठिनाई ना हो । यहां बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष वृजलाल हांसदा, जिप सदस्य फुलमती देवी, मुखिया किरण देवी, पंसस निर्मल महतो, झामुमो प्रखंड सचिव सोनाराम हेम्ब्रम, आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति नावाडीह के सचिव बासुदेव शर्मा, गणेश महतो, जयलाल महतो, भरत महतो, रोहित महतो, संतोष महतो आदि उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रक्तदाता दिवस पर ब्लड बैंक दुमका में निफा की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बताते चलें कि समय-समय पर दुमका जिला निफा द्वारा रक्तदान शिविर एवं रक्तदान हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाता है जिसमें लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक किया जाता है,ताकि एक स्वस्थ व्यक्ति जरूरतमंद को रक्तदान कर सके और एक जीवन बचा सके। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता जतिन कुमार ने कहा कि रक्तदान को बढ़ावा देने और रक्तदाता का आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष रक्तदाता दिवस मनाया जाता है।विक्रम आनंद ने कहा कि रक्तदाता दिवस मनाने की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2004 में की थी। तब से हर साल 14 जून को रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। अवसर पर विक्रम आनंद, अभिषेक साहा,खुशबू कुमारी , जतिन कुमार,सुमित आदि मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार तीन युवक घायल,एक की दुमका ले जाने के दौरान मौत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। काठीकुंड थाना क्षेत्र के शिकारीपाड़ा काठीकुंड मुख्य पथ पर बुधवार को दुबईडीह मोड़ के पास मोटरसाइकिल सवार तीन युवक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए। प्रभारी थाना प्रभारी अमन कुमार ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काठीकुंड में भर्ती कराया,जहां एक की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार सभी घायल युवक शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं.घायलों की पहचान कारकट्टा निवासी सुखलाल देहरी,मिर्गीपाडा निवासी बुद्धिनाथ देहरी व ढेलापाथर गांव के बिष्णु देहरी के रुप में हुई है। जिसमें बिष्णु देहरी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि सभी एक मोटरसाइकिल से किसी काम को लेकर गोपीकांदर जा रहे थे,इसी दौरान काठीकुंड थाना क्षेत्र के दुबईडीह मोड़ के पास तेज रफ्तार होने के कारण संतुलन नहीं बना सके और मोटरसाइकिल पीलर से टकरा गयी,जिसमें सभी घायल हो गए। समाचार लिखे जाने तक मिली जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद सभी को दुमका रेफर कर दिया गया है। गंभीर रूप से घायल बिष्णु देहरी की दुमका ले जाने के दौरान मौत हो गई है।

बरसो पानी मे श्री श्री 1008 शिव शक्ति हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में, विधायक प्रसाद हुई शामिल

- **विधायक अंबा प्रसाद ने कहा- बरसो पानी दुनिया की हैरतअंगेज स्थल, बरसो पानी को किया जाएगा विकसित**

बड़कागांव/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बड़कागांव प्रखंड के आंगो पंचायत स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बरसो पानी मे श्री श्री 1008 श्री शिव शक्ति हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के उपलक्षय में भक्ति जागरण का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक अंबा प्रसाद जागरण कार्यक्रम में शामिल हुईं। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर विधायक अंबा प्रसाद का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। महायज्ञ 9 जून से चलकर 13 जून को संपन्न हुआ जिसके उपलक्षय में भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध हैरतअंगेज स्थल बरसो पानी पर्यटकों को लुभाती है। ऐसे प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थल में महायज्ञ होने से यह स्थल और प्रसिद्ध एवं सुरक्षित हो जाएगा। बड़कागांव के ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन स्थल का दर्जा दिलाने के लिए मैं पर्यटन विभाग को भी अवगत करवाई हूं एवं विधानसभा में भी आवाज उठाई हूँ। मैं बरसा पानी को विकसित कराने हेतु प्रतिबद्ध हूँ।

साहिबगंज की बेटी सोनी स्वीटी मुर्मू ने राष्ट्रीय विद्यालय अंडर 19 फुटबॉल टूर्नामेंट में जीता कांस्य पदक

साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 10 से 13 जून तक भोपाल,मध्यप्रदेश में संपन्न राष्ट्रीय विद्यालय अंडर 19 फुटबॉल चैंपियनशीप में जिले के बोरियो प्रखंड की बेटी सोनी स्वीटी मुर्मू ने झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए मेघालय को 2- 0 से पराजित करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देते हुए कांस्य पदक जीता।

जिले के लिए यह पहला अवसर है जिसमें ज़िले की बेटी द्वारा फुटबॉल में कांस्य पदक जीता गया हो। सोनी स्वीटी मुर्मू झारखंड सरकार एवं जे एस एस पी एस के संयुक्त तत्वावधान में रांची में चल रहे आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र में अभ्यास करती है। सोनी की इस बड़ी उपलब्धि पर उपायुक्त राम निवास यादव,जिला खेल पदाधिकारी अमित कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी बोरियो टुडू दिलीप,जिला ओलंपिक संघ के पदाधिकारी राजेश कुमार,माधव चंद्र घोष,कल्याण श्रीवास्तव,खेल प्रशिक्षक योगेश यादव,अशोक साहनी,खेल शिक्षक बमबम कुमार, बिरेंद्र कुमार समेत जिले के खेल प्रेमियों बधाई दी है।

जद जिलाध्यक्ष दिनेश यादव ने किया पूर्व सांसद फुरकान अंसारी के सामंतवादी बयान का समर्थन, बोले;बयान सौ प्रतिशत सत्य

- **मंगलवार को फुरकान अंसारी ने कहा था कि हमलोग पहले यादव थे,सामंती ताकतों के कारण मुस्लिम बनने को मजबूर हुए**

जामताड़ा/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गोड्डा के पूर्व सांसद फुरकान अंसारी के विगत मंगलवार को दिए गए बयान,पहले हमलोग यादव थे,लेकिन सामंती ताकतो के कारण मुस्लिम बनने को मजबूर हुए का राजद के जामताड़ा जिलाध्यक्ष दिनेश यादव ने समर्थन किया है ।श्री यादव ने कहा कि वास्तव मे सामंतवादी ताकतो ने इतना जुल्म और अत्याचार किया कि मजबूरी मे फुरकान अंसारी के दादा,परदादा ने मुस्लिम धर्म अपनाया है।श्री यादव ने कहा कि सामंतवादी ताकतो से राजद का संघर्ष शुरू से रहा है और आगे भी रहेगा ।कहा कि फुरकान अंसारी द्वारा गोड्डा मे दिए बयान पर जो हाय -तौबा मचा रहे है,पहले वे जमीनी हकीकत को देखे,तब हाय तौबा मचाएं अन्यथा राजद सामंतवादी विचारो के खिलाफ एकजुट है।श्री यादव ने जोर देते हुए कहा कि गोड्डा के पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने जो बयान दिया है, वो सौ प्रतिशत सत्य है

देश में आपदा प्रबंधन होगा और दुरुस्त, अमित शाह ने 8000 करोड़ की 3 योजनाओं की घोषणा की

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर / नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को देश में आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए 8000 करोड़ रुपये से अधिक राशि की तीन प्रमुख योजनाओं की घोषणा की, जिनमें शामिल हैं झ (1) राज्यों में अग्निशमन सेवा के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए 5,000 करोड़ रुपये की परियोजना, (2) सर्वाधिक जनसंख्या वाले सात महानगरों झ मुंबई, चेन्नई, कोलकाता बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे झ में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए

के लिए 2,500 करोड़ रुपये की परियोजना और (3) भू-स्खलन शमन के लिए 17 राज्यों सहित केंद्रशासित प्रदेशों में 825 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय भू-स्खलन जोखिम शमन परियोजना।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित आपदा प्रबंधन मंत्रियों की बैठक में बतौर अध्यक्ष केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इन तीन प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन से जहाँ आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रणाली को मजबूती मिलेगी, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आपदा प्रतिरोधी भारत के संकल्प को साकार स्वरूप मिलेगा।

बैठक के दौरान शाह ने रेखांकित किया कि, '2005-06 से 2013-14 तक के 9 साल और 2014-15 से 2022-23 तक के 9 सालों की तुलना करें तो, एसडीआरएफ को पहले 35,858 करोड़, रूपए जारी किए गए थे, जो लगभग तीन गुणा बढ़कर 1,04,704 करोड़ रूपए हो गया है। इसके अलावा एनडीआरएफ से जारी होने वाली राशि 25,000 करोड़ रूपए से बढ़कर, लगभग तीन गुणा वृद्धि के साथ 77,000 करोड़ रूपए हो गया है।' शाह का मानना है कि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में राज्यों को किसानों को अधिक मुआवजा देने के लिए अपने बजटीय प्रावधान को बढ़ाना चाहिए। साथ ही, मॉडल अग्नि विधेयक, केंद्र सरकार द्वारा आपदा रोकथाम, आँधी-तूफान और बिजली गिरने तथा शीत लहर की रोकथाम के लिए बनाई गई नीतियों को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी भण्डारकोला के आठ खिलाड़ियों ने एसजीएफआई द्वारा आयोजित नेशनल स्कूल गेम्स में भाग लेकर स्कूल का नाम रौशन किया

देवघर। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 66 वें नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता में वॉलीबॉल और हैंडबॉल की प्रतियोगिता में स्कूल के आठ खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की । लाल परेड स्टेडियम, भोपाल में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दिव्या कुमारी, दिव्यांका कुमारी, श्वेता कुमारी, ऋचा कुमारी, शिवम कुमार और जूनियर नेशनल में भूमि कुमारी ने झारखण्ड टीम का प्रतिनिधित्व किया। वहीं दूसरी ओर दिल्ली में आयोजित हैंड बॉल प्रतियोगिता में शालू चौधरी और शिखा चौधरी ने झारखण्ड टीम का प्रतिनिधित्व किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय कुमार ने बताया कि स्टूडेंट गेम फेडरेशन का उद्देश्य स्कूली स्तर से ही बच्चों का मानसिक, सामाजिक और शारीरिक विकास करना है। सभी प्रतियोगिताओं को एक झंडे के नीचे आयोजित करना और देश में सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाना इसका उद्देश्य है। डी.ए.वी प्रबंधकर्तृ समिति, नई दिल्ली के प्रधान, आर्यरत्न, पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी एवं आर्यवीर, डॉक्टर जे पी शूर, डायरेक्टर पी.एस-1 की छत्र छाया में पल्लवित और पुष्पित विद्यालय ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस सफलता पर विद्यालय के खेल प्रशिक्षक आशुतोष कुमार और सत्यवीर यादव ने खिलाड़ियों की प्रशंसा की। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी अभिषेक सूर्य ने दी।

देवघर प्रखंड के सभी 23 पंचायतों में लगा शिविर

देवघर। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक शशांक शेखर ने बताया कि जिला कृषि पदाधिकारी कमल कुमार कुजुर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी देवघर जितेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में देवघर प्रखंड के सभी 23 पंचायतों में एक दिवसीय ई केवाईसी कैंप का आयोजन किया गया। ई केवाईसी कैंप वैसे किसानों के लिए लगाया गया जिनका नाम ऋण माफी योजना में है ,लेकिन उनका 1 का टोकन नहीं कटा था। उनका टोकन कटवाया जा रहा है। साथ ही साथ प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि से वंचित किसानों का भी ईकेवाईसी शिविरों में किया जा रहा है। कुछ किसान वैसे थे जिनका नाम रिंग माफी में नहीं था फिर भी शिविर में पहुंच गए थे। उन्हें बताया गया कि आप अपने बैंक में जाकर शाखा प्रबंधक से मिले और ई केवाईसी अपडेट कराएं तभी जाकर आपका ऋण माफी की सूची में नाम आएगा। देवघर प्रखंड में कुल 1562 किसान कृषि ऋण माफी योजना से वंचित रह गए थे ।आज लगभग 235 किसानों ने इस योजना का लाभ लिया। वही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लगभग 12848 किसान वंचित है ,उनका ईकेवाईसी कराया जा रहा है तथा भूमि का सत्यापन भी कराया जाना है। भूमि के सत्यापन में सबसे पहले किसान नाम पर जमीन होना अनिवार्य है ।अगर जमीन किसान के दादाजी, पिताजी परदादाजी के नाम से है ,तो उनका लैंड सिडिंग करने में परेशानी हो सकती है। इस कार्य के लिए सभी पंचायतों के कृषक मित्र एवं जनप्रतिनिधियों ने तथा प्रज्ञा केंद्र संचालकों ने काफी सराहनीय भूमिका निभाई ।प्रखंड स्तर पर इसका मॉनिटरिंग सहायक तकनीकी प्रबंधक सुषमा कुमारी एवं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक शशांक शेखर के अलावे, साजन पांडे एवं सुनील कुमार भी कर रहे थे बीटीएम शशांक ने बताया कि ऐसी कोई बात नहीं है कि आज ही ईकेवाईसी होगा जिनका आज ईकेवाईसी नहीं हुआ है। उनका अगले दिन भी होगा लेकिन पंचायत भवन में नहीं बल्कि आपके आसपास के निकटतम प्रज्ञा केंद्र में जाकर किसान इस योजना का लाभ ले सकते हैं ।आज केवल जागरूकता अभियान चलाया गया है।

महामहिम राज्यपाल श्री सी.पी.राधाकृष्णन का हजारीबाग के परिसदन भवन में हुआ स्वागत

हज़ारीबाग/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

इस दौरान हज़ारीबाग सांसद जयंत सिन्हा,उपायुक्त नैंसी सहाय,तथा पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चौथे ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। इस औपचारिक मुलाकात के दौरान सांसद श्री सिन्हा ने महामहिम राज्यपाल को हजारीबाग की सुप्रसिद्ध सोहराई कला का फोटो फ्रेम भेंट किया।महामहिम के चतरा एवं कोडरमा जिला भर्मण के वापसी के क्रम में हज़ारीबा×ग के परिसदन में रुके।इस दौरान सहायक समाहर्ता शताब्दी मजूमदार,सदर अनुमंडल पदाधिकारी विद्याभूषण कुमार मौजूद रहे।

झामुमो के मिलन समारोह में शिरकत किए दर्जा प्राप्त मंत्री

डुमरी /झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मंत्री(दर्जा प्राप्त) योगेंद्र प्रसाद महतो डुमरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नावाडीह के भेंडरा पहुंचे। आयोजित झारखंड मुक्ति मोर्चा के मिलन समारोह में मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा आंदोलन की उपज है और माटी की पार्टी होने के नाते अपने लोगों के हितों की रक्षा करना जानती है। उन्होंने कहा कि दिवंगत मंत्री एवं पार्टी के मजबूत स्तंभों में से एक रहे जगरनाथ महतो के निधन से रिक्त हुए डुमरी विस सीट में आगामी उपचुनाव

के लिए पार्टी के कार्यकर्ता कमर कस लें। स्व जगरनाथ महतो के जनप्रिय कार्यों और झारखंडी मुद्दों पर मुखर रहने से डुमरी के एक एक लोगों की दिलों में बसते हैं। हमें मिलकर इसे बरक रार रखना है। सब्जबागों से डुमरी की जनता को बचाना है। स्व जगरनाथ महतो के परिवार से उत्तराधिकारी जल्द घोषित होगा। उन्होंने संगठन की मजबूती का आ''ान किया। इस दौरान कई पंचायत प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने झामुमो का दामन थामा। दर्जा प्राप्त मंत्री ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान दिवंगत मंत्री स्व जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी, पुत्र अखिलेश कुमार महतो उर्फ राजू, झामुमो के जिलाध्यक्ष हीरालाल मांझी, सचिव जयनारायण महतो आदि नेताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए डुमरी विस उपचुनाव में जीत की हुंकार भरी। मौके पर हजारों महिला और पुरुष कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रिया कुमारी ने गोल्ड मेडल जीतकर चंदनकियारी सहित झारखंड राज्य का नाम देश में रोशन की

बोकारो । चंदनकियारी प्रखंड के भण्डारीबांध निवासी गोपाल रजवार की पुत्री प्रिया कुमारी रजवार राज्य स्तरीय एथलेटिक्स मीट में गोल्ड मेडल जीतने पर गांव जब वापस लौटी तो उसका जोरदार स्वागत किया गया ।

बारहवीं झारखंड स्टेटस सीनियर ओपेन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 के तहत पाकुड़ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित शिबू सोरेन एथलेटिक्स मीट में प्रिया कुमारी रजवार ने 4×400 रिले रेस में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे ज़िले का नाम रौशन किया है। उनके इस सफलता पर लोगों ने बधाई दी है ।झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के युवा नेता अर्जुन रजवार ने कहा कि इनकी सफलता हमारे चंदनकियारी के लिए गर्व की बात है ।इस मौके पर सभी लोगो का मुंह मीठा कराया गया। स्वागत करने वाली में समाज सेवी जगन्नाथ रजवार, अमित महतो, पटल महतो, सूर्यकांत रजवार, निमाई रजवार, रामेश्वरम टुडू, तुलसी रजवार, समेत अन्य उपस्तिथित थे ।

ऐम्स में कार्यरत कंस्ट्रक्शन कंपनी की मनमानी के कारण मजदूर की हो गयी मौत, लगातार घट रही घटना पर भी जिला प्रशासन और ऐम्स प्रबंधन मौन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। झारखंड का एक मात्र ऐम्स देवघर के देवीपुर में स्थित है।ऐम्स परिसर में कई भवन अभी भी निर्माणाधीन है।इसी में से एक बॉयज होस्टल दो का भवन निर्माण का कार्य जोरो पर चल रहा है।कल यानी मंगलवार को इसी भवन में प्लास्टर का काम कर रहे राजमिस्त्री और मजदूर की ट्रॉली नौंवी मंजिल से टूटकर नीचे गिर गई थी।इस घटना में 1 राजमिस्त्री की मौत हो गई है और 1 मजदूर को गंभीर हालत में रांची भेज दिया गया है।आज मृतक को उचित मुआबजा दिलाने के लिए सभी मजदूरों ने काम बंद कर कंस्ट्रक्शन कंपनी के कार्यालय का घेराव कर दिया है।

कंपनी पर लगाया जा रहा है कई आरोप

ऐम्स परिसर के विभिन्न भवनों का निर्माण कर रही एन के जी कंस्ट्रक्शन कंपनी पर मजदूरों ने लापरवाही बरतने और मजदूरों की जान के साथ खेलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया जा रहा है।कल देर शाम इसी कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करने वाले राजमिस्त्री महेंद्र सिंह की मौत नौंवी मंजिल से ट्रॉली टूट कर नीचे गिरने से हो गयी है।जबकि इसी ट्रॉली में सवार मजदूर मदन कुमार को गंभीर हालत में रांची भेज दिया गया है।राजमिस्त्री की मौत पर वहाँ कार्यरत मजदूरों ने मुआबजा की मांग को लेकर कंस्ट्रक्शन कंपनी के कार्यालय का घेराव कर दिया है।ताज़्जुब की बात है कि इस हादसा में मानवता दिखाने

की जगह सभी कंपनी के कर्मी फरार हो गए है।आक्रोशित मजदूरों ने कंपनी प्रबंधन पर मजदूर की जान के साथ खेलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कंपनी द्वारा मजदूरों को काम करने के दौरान कोई भी सुरक्षा कवच की व्यवस्था नही दी जाती है।मांगने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है।उनका कई महीना से उनकी मजदूरी भी नही दी गई है।अब मजदूरों की मजबूरी है की अपनी मेहनताना के पाने के लिए लगातार काम करते रहना।राजमिस्त्री महेंद्र सिंह भागलपुर के जगदीशपुर थाना के अंगारी गांव के रहने वाले थे।उनके परिवार के भरण पोषण के लिए मजदूरों ने मुआबजा की मांग को लेकर काम बंद कर कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ नारे लगाए जा रहे हैं।

इससे पहले भी इस कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही आई है सामने

मजदूर की मौत का यह कोई पहला मौका इस कंस्ट्रक्शन कंपनी की लापरवाही का सामने नही आया है।इससे पहले भी कई मामले उजागर होते आए हैं।कुछ दिन पहले इसी तरह के एक भवन में काम करते हुए दो मजदूर घायल हो गए थे जिसकी सुध कोई नही लिया था।घायल मजदूर स्वयं बाहर से इलाज करवाया था।इससे कुछ ही दिन पहले इसी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा एक भवन ने वेल्डिग का काम करते समय अचानक आग लग गयी थी।उस समय भी आग पर काबू पाने का कोई साधन मौजूद नही था।किसी तरह आग पर काबू पाया गया था।अब राजमिस्त्री की मौत की घटना से साफ जाहिर होती है कि कंपनी की मंशा मजदूरों के प्रति कैसा है।

» ऐम्स में क्यों नही हुआ इलाज, उठ रहे सवाल

ऐम्स परिसर में ओपीडी के अलावा कई चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध है।यहां पर दूर दराज से आये मरीजों का उचित औऱ बेहतर इलाज हो पा रहा है।लेकिन ऐम्स परिसर में विभिन्न बिल्डिग के निर्माण में कार्यरत मजदूरों का इलाज ऐम्स में क्यों नही किया जाता है यह सवाल मजदूर द्वारा उठाया जा रहा है।भवन निर्माण में घायल होने के बाद मजदूरों को स्वयं अपना इलाज बाहर किसी अस्पताल में कराना पड़ता है।मजदूरों ने आरोप लगाया है कि बहला फुसलाकर कर हमसे काम तो लिया जा रहा है लेकिन सुरक्षा की मानकों और बीमारी का इलाज नहीं किया जा रहा। ऐम्स में कार्यरत कंस्ट्रक्शन कंपनी पर क्या श्रम विभाग की नज़र नहीं है या फिर जिला प्रशासन और ऐम्स प्रबंधन मजदूरों की हितैषी नही है।यह सवाल मजदूरों द्वारा पुरजोर उठाया जा रहा है।

व्यवसाई के बीमार पत्नी के इलाज के लिए बिधायक ने दिए रु 50 हजार का आर्थिक सहयोग

बोकारो थर्मल। गोविंदपुर सी पंचायत के लेबर क्वार्टर निवासी व्यवसाई राजेन्द्र प्रसाद की बीमार पत्नी सुमन देवी के इलाज के लिए बेरमो बिधायक कुमार जय मंगल सिंह ने पचास हजार रु का आर्थिक सहयोग दिए। आर्थिक संकट से गुजर रहे राजेंद्र प्रसाद की पत्नी पिछले कई महीनों से लिवर की गंभीर बीमारी से ग्रसित है और ईलाजरत है। गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया बबलू सिंह के पहल पर बेरमो विधायक जय मंगल सिंह (अनूप सिंह) ने गंभीरता से लेते हुवे मुख्य मंत्री राहत कोष से आर्थिक सहयोग के रूप में 50 हजार रु का चेक व्यवसाई राजेंद्र प्रसाद को दिए। इस अवसर पर मुखिया बबलू सिंह सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।।

ऊर्जा विकास श्रमिक संघ व एजेंसी के बीच बनी सहमति

डुमरी। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ द्वारा 11 सूत्री मांगों को लेकर बुधवार को पारसनाथ गेस्ट हाउस में त्रिपक्षीय वार्ता की गई। जिसमें संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय,विद्युत कार्यपालक अभियंता अरविंद कुमार, एई स्वरूप बख्शी, एनके इलेक्ट्रिकल्स

के प्रबंधक महताब अंसारी शामिल हुए।श्रमिक संघ के सैकड़ों मानव दिवस कर्मियों की मौजूदगी में हुई समझौता वार्ता में जो मांगे मानी गई, उनमें 2018 से लंबित मानदेय का भुगतान करने,राज्य सरकार के श्रम विभाग द्वारा निर्धारित मासिक पारिश्रमिक का भुगतान करने,वार्ता के उपरांत मानव दिवस कर्मियों को मौके पर ही इपीएफ,ईएसआई,पहचान पत्र दिया गया वहीं सेफ्टी किट उपलब्ध कराने की बात कही गई। वहीं राज्य सरकार के श्रम विभाग द्वारा निर्धारित छुट्टी हर महीने सभी कर्मियों को देने,1 से 10 तारीख तक मासिक भुगतान करने,हाल में एक्सीडेंट में मारे गए कर्मियों के परिजनों को ग्रुप इंशयोरेंस ईएसआई सहित अन्य मिलने वाली सुविधाएं जल्द ही उपलब्ध कराने की बात कही गई।श्रम विभाग की ओर से समय-समय पर बढ़ने वाले महंगाई भत्ता को ससमय लागू करने,किसी भी मानव दिवस कर्मी को उनके काम के अनुरूप ही काम लेने की बात कही गई।

वार्ता के उपरांत अजय राय ने कहा कि कर्मियों के हक को मारने का अधिकार किसी को नही है, अगर कोई इस तरह का कार्य करता है तो संघ उसके खिलाफ हर कार्रवाई के लिए बाध्य होगी।कहा कि हर एरिया बोर्ड व ट्रांसमिशन जोन में आपसी समन्वय बैठाकर एजेंसी एवं मानव दिवस कर्मी चलेंगे तो इसका सकरात्मक प्रभाव विधुत आपूर्ति को सुचारू रूप से चलाने में भी पड़ेगा।इस अवसर पर छात्र युवा नेता जयराम महतो ने भी अपना पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में काम करने वाले इन विद्युतकर्मियो को उचित सम्मान मिलना चाहिए।वहीं

आईएफसीआई से संबंधित वतन महतो ने भी अपना पूर्ण सहयोग व समर्थन देने की बात श्रमिक से किया।

इस दौरान संघ के सर्किल अध्यक्ष बालगोविंद महतो सचिव राजेश रवानी उपाध्यक्ष किशोर कुमार संयोजक,दिलीप शर्मा, कोषाध्यक्ष विनोद दास सलाहकार संजय कुमार,योगेंद्र कुमार,युगल राम,सोनू रजक,प्रेम पंडित,अरुण महतो, चिंतामणि महतो आदि उपस्थित थे।

विश्व रक्तदान दिवस पर रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन, उपायुक्त हुई शामिल

- 15 यूनिट रक्त का हुआ संग्रहण
- रक्तदान जीवनदान के सामान है: उपायुक्त
- रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता है: एसडीओ।
- सभी रक्त दाताओं को बहुत-बहुत आभार:तनवीर सिंह।

हज़ारीबाग/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा बुधवार को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर इंद्रपुरी चौक अवस्थित रेड क्रॉस भवन परिसर एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त सह पदेन अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी नैंसी सहाय, सदर एसडीओ विद्या भूषण कुमार, सहायक नगर आयुक्त शताब्दी मजूमदार, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव तनवीर सिंह,समाजसेवी चंद्रप्रकाश जैन, सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया।मौके पर उपायुक्त नैंसी सहाय ने विश्व रक्तदान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा की रक्तदान जीवनदान के समान है। हर स्वस्थ व्यक्ति को इस मुहिम से अवशय जुड़ना चाहिए साथ ही उन्होंने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सभी सदस्यों को इस कार्य हेतु बहुत-बहुत बधाई

एवं शुभकामनाएं दी।

उपायुक्त सहित सभी अतिथियों ने रक्तदाताओं का हौसला अफजाई किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से तमाम रक्तदाताओं ने रक्तदान कर शिविर को सफल बनाते हुए शिविर में 15 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। रक्तदान करने वालों में :झ रेड क्रॉस सोसाइटी सचिव तनवीर सिंह,मनोज गोयल,नेहा सिंह, नीरज सिंह उज्जैन, नीरज कुमार, विजय कुमार, रामलखन प्रजापति,राज कुमार, प्रियंका कुमारी, शंभू कुमार पासवान,अमित सिंह,ओम प्रकाश सिंह,राज किशोर पांडे,रंजन सोनकर एवं सचिन खंडेलवाल ने रक्तदान किया। मौके पर सदर एसडीओ विद्याभूषण कुमार ने कहा की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव तनवीर सिंह ने समस्त रक्त दाताओं के प्रति आभार जताया साथ ही जिले के उपायुक्त नैंसी सहाय को कार्यक्रम में शामिल होने व रक्तदाताओं का हौसला अफजाई के लिए विशेष धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि बहुत जल्द रेड क्रॉस सोसाइटी का ब्लड बैंक शहर तथा ग्रामीण वासियों के लिए प्रारंभ कर दिया जाएगा।

मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र सिन्हा, मनोज गुप्ता, मनोज गोयल, डॉक्टर नीरज कुमार,सनत कुमार, विकाश तिवारी सहित कई लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के साथ टाटा मोटर्स, टाटा स्टील एवं टाटा कमिंस के वरीय अधिकारियों ने की बैठक

रांची

मशेदपुर में न्यू ग्रीन क्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग जेक्ट के विस्तार पर हुई चर्चा

ख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के साथ धवार को झारखंड मंत्रालय में टा मोटर्स, टाटा स्टील एवं टाटा मिंस के वरीय अधिकारियों ने ठक की। बैठक में झारखंड जमशेदपुर) में न्यू ग्रीन क्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट विस्तार (हाइड्रोजन क्नोलॉजी इंजन आधारित वाहन र्माण) पर निवेश की भावनाओं पर चर्चा हुई।

टा मोटर्स के अधिकारियों द्वारा ख्यमंत्री के समक्ष पावर पॉइंट जेंटेशन के माध्यम से ग्रीन क्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट संबंध में विस्तृत जानकारी ब्री गई। टाटा मोटर्स के धिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष हा कि झारखंड के जमशेदपुर में ग्रीन टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट के विस्तार (हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी इंजन आधारित वाहन निर्माण) पर निवेश की असीम संभावनाएं हैं।टाटा मोटर्स एवं टाटा कमिंस इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ हाइड्रोजन इंजन से चलने वाले वाहन बनाने की तैयारी कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले 25 से 30 वर्ष तक ऑटोमोबाइल सेक्टर में शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करना टाटा मोटर्स का लक्ष्य है। टाटा मोटर्स जमशेदपुर में हाइड्रोजन सेगमेंट स्थापित करना चाहती है।अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से हरित हाइड्रोजन मिशन को प्राप्त किया जा सकेगा। टाटा मोटर्स इन दिनों वाहनों के नए तकनीक पर काम कर रही है। टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ अब हाइड्रोजन इंजन से चलने वाली गाड़ियों की मैन्युफैक्चरिंग की ओर ध्यान दे रही है। टाटा मोटर्स झारखंड के जमशेदपुर में हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी के विस्तार हेतु निवेश के लिए इच्छुक है। टाटा मोटर्स इस निमित्त राज्य सरकार से सहयोग की अपेक्षा रखती है।

राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने टाटा मोटर्स, टाटा स्टील एवं टाटा कमिंस के अधिकारियों से हाइड्रोजन इंजन आधारित वाहन मैन्युफैक्चरिंग प्लानिंग की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग पूरे विश्व के लिए चुनौती है। भविष्य में ग्रीन टेक्नोलॉजी की ओर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। झारखंड में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। टाटा मोटर्स नई तकनीक का उपयोग कर स्वच्छ वातावरण में न्यू ग्रीन टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट स्थापित करने निमित्त बेहतर मास्टर प्लान बनाकर कार्य करे। राज्य सरकार वाहन निमार्ता कंपनी के सहयोग के लिए उनके साथ हमेशा खड़ी रहेगी।

केन्द्र सरकार के नौ साल बेमिसाल : दीपक प्रकाश

रांची। महा जनसंपर्क अभियान के तहत बुधवार को कांके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पिठौरिया मैदान में विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि मोदी सरकार के नौ साल उपलब्धियों की दृष्टि से बेमिसाल रहे हैं। गरीब कल्याण,सेवा और सुशासन की योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए भारत का सांस्कृतिक गौरव पुनर्स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नौ साल सर्व व्यापी सर्व समावेशी और सर्व स्पर्शी विकास के रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सात मोर्चों के कार्यकताओं के लिए भी यह गौरवशाली क्षण है। क्योंकि, मोदी सरकार ने सभी क्षेत्र के लिए कल्याणकारी योजनाओं को केवल प्रारंभ ही नही किया, बल्कि धरातल पर तेज गति से उतारा।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यकर्ता इस बात को अवश्य बताएं कैसे मोदी सरकार ने दलित वंचित समाज के लिए योजनाएं लागू की। आज जनधन खाता हो या शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना हो, गरीब कल्याण अन्न योजना या आयुष्मान योजना सभी में दलित समाज के लोग शत प्रतिशत लाभान्वित हो रहे।

कार्यकर्ता बताएं कैसे मोदी सरकार ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर से जुड़े पंच तीर्थ को विकसित किया। अनुसूचित जनजाति मोर्चा भी कल्याणकारी योजनाओं के साथ कैसे भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस घोषित किया, एक सामान्य परिवार से जुड़ी जनजाति महिला को राष्ट्रपति पद पर आसीन कराकर विश्व में समाज को महिमा मंडित किया यह बताने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा भी उपलब्धियों से भरा है। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, यूरिया, एमएसपी, भूमि का डिजिटल मैपिंग जैसे अनेक कार्य किसानों के लिए मोदी सरकार ने शुरू किए।

उन्होंने कहा कि भाजपा को भारत की जनशक्ति पर भरोसा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में झारखंड की सभी 14 सीटें जनता भाजपा और एनडीए के खाते में देकर मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार तीसरी बार बनाएगी। सम्मेलन को विधायक समरी लाल एवम जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने भी संबोधित किया।

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट को बताया, दिल्ली से अब तक देवघर ट्रांसफर नहीं हुई जीरो एफआईआर

वी। झारखंड हाई कोर्ट के स्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट में वार को अगस्त, 2022 में सद निशिकांत दुबे को हवाई हाज से दिल्ली जाने के क्रम में घर में रोकने के खिलाफ ल्ली में जीरो एफआईआर दर्ज निरस्त करने को लेकर देवघर डीसी मंजूनाथ की याचिका पर वाई हुई।

वाई के दौरान राज्य सरकार ओर से हाई कोर्ट को बताया ा कि दिल्ली में दर्ज जीरो फआईआर अब तक देवघर सफर नहीं हुआ है। इस पर कोर्ट मामले में केंद्र सरकार को यापित कर दो सप्ताह में बताने कहा है कि वाकई में जीरो फआईआर देवघर पहुंचा है कि हीं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता नूनाथ के खिलाफ कार्रवाई पर क जारी रखी है।

छली सुनवाई के दौरान केंद्र रकार की ओर से कोर्ट को ाया गया था कि सांसद शिकांत दुबे की ओर से दिल्ली दर्ज कराई गई जीरो फआईआर देवघर के कुंडा थाना ट्रांसफर कर दी गई है। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि दिल्ली से भेजी गई जीरो एफआईआर के आधार पर देवघर के कुंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई या नहीं। प्रतिवादी निशिकांत दुबे की ओर से पार्थ जालान ने और याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा एवं अजय शाह ने पैरवी की।

इससे पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि 31 अगस्त, 2022 की शाम को जब वह प्लेन से दिल्ली जा रहे थे, तो तत्कालीन देवघर उपायुक्त मंजूनाथ के कहने पर सुरक्षाकर्मियों ने देवघर एयरपोर्ट पर उन्हें रोका और जान से मारने की धमकी भी दी। उनके सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है।

टैगोर हिल स्थित ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने वाली याचिका पर अगली सुनवाई 26 जुलाई को

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में बुधवार को रांची स्थित टैगोर हिल के ऊपर स्थित ब्रह्म मंदिर के संरक्षण एवं केंद्र सरकार द्वारा इसे राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने का आग्रह करने वाली सोसाइटी ऑफ प्रिजर्वेशन ऑफ ट्राईबल कल्चर एंड नेचुरल ब्यूटी की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। खंडपीठ के समक्ष भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने कोर्ट को बताया कि टैगोर हिल के ऊपर स्थित ब्रह्म मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की शर्त को यह पूरा नहीं करता है, साथ ही इसमें कलात्मक ऐतिहासिक विशेषताएं भी नहीं है।कोर्ट ने मामले में याचिकाकर्ता को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के जवाब पर अपना प्रत्युत्तर देने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 26 जुलाई निर्धारित की है।

झामुमो के बयान पर कुणाल षाड़ंगी का पलटवार

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे पर झामुमो नेता के बयानबाजी पर भाजपा ने पलटवार किया है। प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने बुधवार को कहा कि भ्रष्टाचार के दलदल में गले तक सरकार डूब चुकी है। षाड़ंगी ने झामुमो नेता के बयान को मानसिक दिवालियापन और मुद्दाविहीन बताया।

प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि आज देश में झारखंड का परिचय बदल चुका है। पिछले साढ़े तीन सालों में लूट, झूठ और भ्रष्टाचार की जो उल्लेखनीय पटकथा झामुमो-कांग्रेस सरकार ने लिखी है, उसका बखान करने में दिन कम पड़ जाएंगे। ऊपर से लेकर नीचे तक जड़ जमा चुकी भ्रष्टाचार की इतनी घटनाएं इससे पहले कभी झारखंड में देखने को नही मिली और ना ही कभी इतने बड़े पैमाने पर लोग पकड़े गए। आज जिस तरह से वरीय आईएस अधिकारी से लेकर जमीन के दलाल, ट्रांसफर पोस्टिंग के दलाल, अवैध खनन करने वाले दलाल की लगातार गिरफ्तारी हो रही है, उससे तो यही प्रतीत हो रहा है कि भ्रष्टाचारियों के लिए जेल में जगह भी कम पड़ जाएगी। कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि झामुमो नेता कहते हैं संथाल परगना की धरती, फूलो-झानो की धरती है लेकिन फूलो-झानो, सिदो-कान्हू के धरती के गौरव को धूमिल करने का कार्य झामुमो ने किया है। संथाल परगना की धरती पर महिला अत्याचार की वीभत्स घटनाएं लगातार सामने आई है। सिदो-कान्हू के छठे वंशज रामेश्वर मुर्मू की हत्या की घटना हो या फिर बहन-बेटियों के साथ बलात्कार- हत्या की घटना अथवा जांबाज पुलिस अधिकारी रूपा तिर्की की हत्या का मामला हो। इन सभी घटनाओं ने संथाल परगना की गौरव को ठेस पहुंचाया है। परंतु झामुमो के नेता को यह सब नही दिखाई दे रहा है। इन सब मामलों पर झामुमो नेता धृतराष्ट्र बन गए हैं।

उल्लेखनीय है कि झामुमो के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया पर पत्रकार वार्ता में कहा कि ललित मोदी का पालन-पोषण करने वाली, आईपीएल के जरिए आर्थिक मुनाफा कमा कर विदेश भागने वाले ललित मोदी को संरक्षण देने वाली महारानी संथाल की पावन भूमि देवघर में जनता को भ्रष्ट और भ्रष्टाचार का पाठ पढ़ा रही थीं।

प्रधानमंत्री 26 जून को रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 जून को पटना से रांची और रांची से पटना चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद इस ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी इसी दिन चार अन्य वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री दिल्ली से ऑनलाइन इन ट्रेनों को रवाना करेंगे, जिन चार अन्य वंदे भारत ट्रेन को उस दिन रवाना किया जायेगा। इसमें भोपाल-इंदौर, भोपाल-जबलपुर, गोवा-मुंबई और बेंगलुरु-हुबली शामिल हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस का किराया इस प्रकार

रांची और पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के लिए किराए की भी घोषणा कर दी गयी है। पटना से रांची वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर करने के लिए यात्रियों को एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 1760 रुपये और चेयरकार के लिए 890 रुपये देने होंगे। इसमें कैटरिंग की राशि नहीं जोड़ी गई है। यात्री अपनी इच्छा के अनुसार, खाने का आर्डर दे सकते हैं। इसके लिए यात्रियों को अतिरिक्त राशि का भुगतान करना होगा।

ट्रेन के एक बोगी में 78 सीटें हैं। एक तरफ दो और दूसरी तरफ तीन साटें हैं। हर सीट के नीचे फूट स्टैंड की सुविधा दी गयी है। इंटरनेट की सेवाओं का उपयोग करने के लिए ऑनबोर्ड वाई-फाई, जीपीएस, जैव-वैक्यूम समेत अन्य सुविधाएं हैं। सभी 16 डिब्बों में यात्रियों की पूरी सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ट्रेन के ऑटोमेटिक दरवाजे तभी खुलेंगे जब ट्रेन पूरी तरह से रुक जाएगी। इससे यात्रियों का सफर आरामदायक और आनंददायक होगा।

उल्लेखनीय है कि 12 जून को इस ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया था। ट्रायल रन में रांची और पटना के बीच की दूरी पौने छह घंटे में तय की गयी थी। ट्रेन समय से 23 मिनट पहले पहुंची थी।

मुख्यमंत्री से पैन एशिया मेटल्स लि. के अध्यक्ष पॉल लॉक ने मुलाकात की

वी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से वार को झारखंड मंत्रालय में एशिया मेटल्स लि. के ध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पॉल क ने मुलाकात की।

भेंटवार्ता के क्रम में उन्होंने ख्यमंत्री के समक्ष कहा कि रखंड में लिथियम खनिज प्राप्त ने की अपार संभावनाएं हैं। थियम का उपयोग विभिन्न कार की बैटरी बनाने के कार्य में ता है।

होंने कहा कि जानकारी के नुसार झारखंड में कोडरमा, जारीबाग सहित अन्य क्षेत्रों में लब्धता है। लिथियम खनिज जानकारी प्राप्त करने के लिए पैन एशिया मेटल्स लि. की टीम झारखंड भ्रमण पर है।

पॉल लॉक ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि पैन एशिया मेटल्स लि. झारखंड में लिथियम खनन के क्षेत्र में निवेश करना चाहती है।

पैन एशिया मेटल्स लि. इस कार्य के लिए राज्य सरकार से सहयोग की अपेक्षा रखती है।

मुख्यमंत्री ने पैन एशिया मेटल्स लि. के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पॉल लॉक से कहा कि झारखंड प्राकृतिक संपदाओं के लिए जाना जाता है।

विभिन्न खनिजों की उपलब्धता के साथ-साथ लिथियम का पाया जाना भी राज्य के लिए अच्छे संकेत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैन एशिया मेटल्स लि. झारखंड में लिथियम उत्खनन कार्य में निवेश के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के लिथियम उत्खनन प्रावधानों के अनुसार एक बेहतर कार्य योजना बनाकर प्रस्ताव सचिव खान एवं भूतत्व विभाग को उपलब्ध कराए। लिथियम उत्खनन के लिए कानून एवं नियम के तहत राज्य सरकार यथोचित कार्यवाही करते हुए निवेशकों को हर संभव सहयोग करेगी।

भेंटवार्ता के क्रम में राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना दादेल, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी, निदेशक भूतत्व मनोज कुमार, उप निदेशक भूतत्व अमरेंद्र कुमार सिंह एवं पैन एशिया मेटल्स लि. के केबीएस मूर्ति उपस्थित थे।

तिरुलडीहः याद किये गए कुकड़ू नक्सली घटना में शहीद जवान, पुलिसकर्मियों व प्रबुद्ध जनों ने दिया श्रद्धांजलि

समाज से भटके हुए लोग मुख्यधारा में लौटे : थाना प्रभारी

चांडिल।

सरायकेला-खरसावां जिला के तिरुलडीह थाना अंतर्गत कुकड़ू साप्ताहिक हाट बाजार में 14 जून 2019 को हुए नक्सली घटना के 04 साल पूरा होने पर बुधवार को तिरुलडीह थाना परिसर में थाना प्रभारी रितेश कुमार के अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन की गया। जहां तिरुलडीह थाना में पदस्थापित जवानों, अधिकारियों एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों ने घटना में शहीद सभी पांचों पुलिसकर्मियों के चित्र पर बारी-बारी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस मौके पर दो मिनट का मौन में रखा गया। कार्यक्रम में तिरुलडीह थाना प्रभारी रितेश कुमार ने घटना में शहीद जवानों को नमन करते हुए समाज से भटके हुए लोगो समाज के मुख्यधारा में लौटने की अपील की। मालूम हो कि 14 जून 2019 को तिरुलडीह थाना क्षेत्र के कुकड़ू साप्ताहिक हाट बाजार में हार्डकोर नक्सली रहे महाराज प्रमाणिक के दस्ते ने पुलिस गश्ती पर धावा बोल बोलकर इस घटना को अंजाम दिया था। जहां इस घटना में दो एएसआई ओर तीन पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। वहीं, नक्सलियों ने पुलिस जवानों के हथियार भी लूट कर फरार हो गए थे। इस घटना में शामिल अबतक एक दर्जन से ज्यादा नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार जेल भेज दिया है। वहीं, कांड का मास्टरमाइंड महाराज प्रामाणिक ने झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। श्रद्धांजलि सभा में एएसआई हरदेव पासवान, एएसआई अशोक कुमार मिंज, हवालदार सागर हेम्ब्रम, हवालदार दीपिक एक्का, हवालदार अवध किशोर दुबे, कुकड़ू प्रखंड के उप प्रमुख मो. एकराम, तिरुलडीह पंचायत के मुखिया सुधीर सिंह मुंडा, छात्र नेता बिकास ठाकुर, चौड़ा के उप मुखिया लाल मोहम्मद आंसरी, वार्ड सदस्य चौड़ा के समेद आंसरी,सायेद आंसरी, निज़ाम आंसरी, कैलाश साव, दीपक कुमार गोप, रामपद गोप, प्यारेलाल कुमार आदि ग्रामीण एवं तिरुलडीह थाना के पुलिस कर्मी मौजूद थे।

» ये पुलिसकर्मी हुए थे शहीद

एएसआइ गोवर्धन पासवान, एएसआइ मनोधन हांसदा, आरक्षी धनेश्वर महतो, आरक्षी डिब्रू पूर्ति और आरक्षी युधिष्ठिर मलुवा इस घटना में शहीद हो गए थे।

सेंट्रल लाइब्रेरी का छज्जा गिरने से इंजीनियरिंग के छात्र मंतोष बेदिया का निधन

रांची

वी विश्वविद्यालय की सेंट्रल इब्रेरी का छज्जा गिरने से ीनियरिंग के छात्र मंतोष बेदिया निधन की अत्यंत दुखद सूचना प्त हुई ईश्वर उनकी आत्मा को और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं एवं मंतोष बेदिया के परिवार को सरकारी नौकरी एवं उचित मुआवजा मुहैया कराएं। माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं कुलपति महोदय से आग्रह करते है कि बिल्डिंग में अनियमितता बरती जाने पर पर कार्रवाई करें। जब तक मंतोष बेदिया को न्याय तथा दोषियों को सजा नहीं मिलेगी, तब तक अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के युवा नेता आंदोलनरत रहेंगे। अभी आजसू के छात्र नेता का एक दल रिम्स में तथा दूसरा दल विश्वविद्यालय में डटा

महासंघ ने ऑटो चालक हत्याकांड की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

झारखंड प्रदेश डीजल ऑटो चालक महासंघ ने ऑटो चालक रोहित कुमार झा की हत्या मामले को लेकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। संघ के प्रदेश महासचिव गुड्डू श्रीवास्तव सहित अन्य ने मंगलवार को चुटिया थाने में लिखित शिकायत करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने कहा कि रोहित झा की हत्या करने वाले अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी हो। साथ ही उचित मुआवजा सरकार की तरफ से दिया जाए। शिकायत करने वालों में प्रदेश सचिव तबरेज अहमद, महानगर अध्यक्ष बादल थापा, रांची रेलवे स्टेशन मार्ग अध्यक्ष भोला सिंह एवं महासंघ के सदस्य शामिल हैं।उल्लेखनीय है कि दो बाइक सवार अपराधियों ने सोमवार को चुटिया थाना क्षेत्र के ऑटो चालक रोहित कुमार झा की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी घटनास्थल पर बाइक छोड़कर फरार हो गये थे। पुलिस मामले में दो लोगों को हिरासत में

सुविचार

ज़िन्दगी तो उसकी है जिसकी मौत पर ज़माना अफ़सोस करें। वरना जन्म तो हर किसी का मरने के लिए होता है।

पीटीआई में भगदड़

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान की हाल में गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने जिस तरह हुड़दंग मचाया, अब फौज की सख्ती के बाद उनके होश फाख्ता हो रहे हैं। जो लोग कभी इमरान के साथ साए की तरह चलते थे, वे सार्वजनिक माफी मांगकर पीटीआई से इस्तीफा दे रहे हैं। वास्तव में इमरान को यह भ्रम हो गया था कि वे लोकप्रिय हैं तो पाकिस्तान में फौज को उनके सामने झुकना पड़ेगा। अब वहां जिस तरह लोगों की पकड़-धकड़ हो रही है और फौजी अदालत में मुकदमे दायर हो रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान को अपनी ताकत दिखाने का पक्का इरादा कर चुके हैं। पाक में चर्चा है कि 9 मई को जैसा माहौल बना, उसके बाद फौज सख्त कार्रवाई कर एक नजीर पेश करना चाहती है, ताकि भविष्य में कोई उसके खिलाफ आवाज उठाने का दुस्साहस न कर सके। वहीं, तख्ता-पलट की आशंकाओं को भी बल मिल रहा है। हालांकि तख्ता-पलट की आशंकाएं कम जरूर हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्राय: पाकिस्तान में फौज उसी सूरत में तख्ता-पलट करती है, जब खजाने में दौलत हो। इससे सेना प्रमुख और उच्च सैन्य अधिकारियों को लूट-मार का पूरा मौका मिलता है, लेकिन अभी खजाना खाली है। अगर फौज ने तख्ता-पलट कर दिया तो उसे लूट-मार के लिए कुछ खास नहीं मिलेगा। बल्कि खाद्यान्न संकट और विदेशी कर्ज के बोझ के कारण फौज की भारी किरकिरी हो सकती है। चूंकि उसके पास भी ऐसा कोई ठोस समाधान नहीं है, जिससे लोगों को राहत मिले, लेकिन बात जब फौज के स्वाभिमान पर आ जाएगी, तो कुछ भी संभव है। एक ओर फौज की ताबड़तोड़ कार्रवाई से इमरान के नेता और कार्यकर्ता उनका साथ छोड़ रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर इस घटनाक्रम से उन्हें सहानुभूति मिल रही है। पाक फौज इस बात को लेकर सतर्क है कि कहीं इमरान सियासी शहीद का दर्जा न पा जाएं।

इसके मद्देनजर पाक वित्त मंत्री इशाक डार ने संकेत दिया है कि मौजूदा सियासी गतिरोध दूर करने के लिए इमरान खान से बातचीत हो सकती है। बस वे 'अपनी गलतियों को ठीक करने के लिए कदम उठाएं' और 9 मई को हुई हिंसा के लिए देश से माफी मांगें। अगर इमरान माफी मांग लेंगे तो इससे उनकी छवि को धक्का लगेगा और पीटीआई नेताओं व समर्थकों को निराशा हाथ लगेगी। अब तक इमरान यह संदेश देने में कामयाब रहे हैं कि वे फौज के सामने नहीं झुकेंगे। उनका माफी मांगना उन्हें एक ऐसे नेता के तौर पर पेश करेगा, जो आखिरकार फौजी बूटों के सामने झुक गया। दरअसल पीटीआई अपने गठन के 27 साल बाद सबसे मुश्किल समय का सामना कर रही है। उसके लिए ऐसा समय तब भी नहीं आया था, जब जनरल परवेज मुशर्रफ ने तख्ता-पलट किया और बाद में न्यायपालिका पर कड़ा शिकंजा कस दिया था। पीटीआई समर्थकों को एक डर यह भी सता रहा है कि कहीं फौज उनकी पार्टी पर पूरी तरह प्रतिबंध ही न लगा दे! अगर ऐसा होता है तो इस बात की अधिक आशंका है कि इमरान को देश छोड़कर अन्यत्र शरण लेनी पड़े। वे वहां रहकर अपनी पार्टी को ज़िंदा रखने की कोशिश कर सकते हैं। वहीं, पाक में फौज और सरकार पीटीआई के ढांचे को पूरी तरह तबाह करने में जुट जाएंगी। यह भी दिलचस्प है कि आज इमरान खान जिस फौज से दो-दो हाथ करते नजर आ रहे हैं, उन्हें सियासत में वही लेकर आई थी। चाहे जुल्फिकार अली भुट्टो हों या नवाज शरीफ, ये भी फौज की अंगुली पकड़कर सियासत में आए थे। उन्होंने रावलपिंडी के जनरलों को सलाम करते हुए अपनी जड़ें जमाई थीं। जब उन्हें इस बात का भ्रम हो गया कि उनका कद इतना बड़ा हो गया है कि अब फौज को आंखें दिखा सकते हैं, तब उनकी कुर्सी चली गई। इमरान भी उसी भ्रम के शिकार हो गए, जिसका उन्हें अहसास हो गया होगा।

ट्वीटर टॉक

महेश नवमी के पावन पर्व की देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आज का यह दिन हमें भगवान महेश से प्रेरणा प्राप्त कर समाज के व्यापक हित और जनकल्याण के लिए कार्य करने की राह दिखाता है।

-ओम बिरला

सांस्कृतिक धरोहर, पुरातन ज्ञान और हमारी ऐतिहासिक विरासत को संजोये भारतीय लोकतंत्र का नया मंदिर अद्भुत है। मैं प्रधानमंत्री को प्रणाम करता हूँ कि उन्होंने दूरदर्शिता के साथ देश को नया संसद भवन समर्पित किया है।

-अर्जुनराम मेघवाल

केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर 31 मई को अजमेर में होने वाली ऐतिहासिक आम सभा की तैयारियों को लेकर आज भीलवाड़ा भाजपा कार्यालय में जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ के साथ बैठक की और प्रेस को संबोधित किया।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

प्रोत्साहन से सफलता

महाभारत का युद्ध चल रहा था। एक ओर अर्जुन थे, जिनके सारथी श्रीकृष्ण थे तो दूसरी ओर कर्ण थे और उनके सारथी थे शल्य। भगवान श्रीकृष्ण ने कर्ण के सारथी से कहा, 'तुम हमारे विरुद्ध जरूर लड़ना परंतु मेरी एक बात जरूर मानना। जब कर्ण हम पर प्रहार करे तब कहना कि 'यह भी कोई प्रहार है, आप प्रहार करना ही नहीं जानते।' बस तुम इन शब्दों को दोहराते रहना।' सारथी शल्य ने श्रीकृष्ण की बात स्वीकार कर ली। युद्ध आरंभ हुआ। कर्ण के प्रत्येक प्रहार पर शल्य कहता, 'यह भी कोई प्रहार है? आप प्रहार करना ही नहीं जानते।' उधर, अर्जुन के प्रत्येक प्रहार पर श्रीकृष्ण कहते, 'वाह, कैसा प्रहार किया है। क्या निशाना साधा है।'

बार-बार अपने सारथी का एक ही वाक्य सुनकर कर्ण हतोत्साहित हो गया। फलस्वरूप अर्जुन की शक्ति बढ़ती गई और पांडव पहले से अधिक शक्तिशाली हो गए। इसीलिए प्रोत्साहन मन के लिए अमृत है जबकि हतोत्साहित मन पराजय की पहली सीढ़ी है।

सामयिक

लोकतांत्रिक सामर्थ्य का अमिट आलेख है नया संसद भवन

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आजादी के अमृतकाल की एक महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय घटना है नये संसद भवन का देश को भारतीय संस्कृति के अनुरूप अनुष्ठानपूर्वक मिलना। निश्चित रूप से देश के लोकतांत्रिक इतिहास का यह एक यादगार पल है, जिससे लोकतंत्र समृद्ध होते हुए देश को शुद्ध लोकतांत्रिक सांसें देगा। सदियों तक लोकतंत्र के माध्यम से सुशासन दिया जायेगा। इस अनूठी घटना के साथ चिन्तनीय पल भी जुड़े जब सभी प्रमुख विपक्षी दलों को इस अद्भुत अवसर का साक्षी बनना चाहिए था तब अनेक विपक्षी दलों ने नकारात्मकता, संकीर्ण राजनीतिक सोच का परिचय देते हुए संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करना उचित समझा। ऐसा करके उन्होंने एक महान अवसर को न केवल गंवाने एवं धुंधलाने का काम किया बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद से अपनी दूरी बनायी है। जितना भव्य एवं ऐतिहासिक यह समारोह आयोजित हुआ, उतना ही घृणित, निन्दनीय एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का उदाहरण बना विपक्ष का विरोध-बहिष्कार। देश की अपनी स्वतंत्र छाप और लोकतंत्र की नई कहानी कहने के लिए नया संसद भवन अगली शताब्दियों के लिए एक नया मजबूत लोकतांत्रिक रूप गढ़ने को तैयार है। जनता के लिए नए फैसले, नये भारत की बुनियाद को मजबूती देने की योजनाएं एवं नीतियां अब इसी भवन से निकलकर आएंगी। लोकतंत्र का प्रतीक नया संसद भवन केवल सत्ताधारी दल या विपक्षी दलों का नहीं है, यह देश की धरोहर है और यह हर भारतीय का है। यह बात विपक्षी दलों की समझ में क्यों नहीं आयी?

निश्चित ही खटकने वाली बात रही कि ऐसे महत्वपूर्ण मौके पर विपक्ष ने समझदारी का परिचय न देते हुए अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराने की बजाय उन्होंने विरोध की राजनीति को आकार देने के लिये इस राष्ट्रीय-अनुष्ठान को विरोध के लिये चुना। प्रतीत होता है देश विभाजन का जो आधार रहा, वह विभाजन के साथ समाप्त नहीं हुआ, अपितु अदृश्य रूप में विभाजन का बड़ा रूप लेकर तथाकथित विपक्षी दल रूपी अलोकतांत्रिक दिमागों घुस गया है। नया संसद भवन किसी एक दल का नहीं, समूचे राजनीतिक दलों का मंच है, फिर क्या सोच कर विपक्ष ने इससे दूरी बनायी। यह दुराव एवं बिखराव की सोच सदियों तक दर्ज रहेगी, जब भी इन्हीं विपक्षी दलों में समझदार लोगों का वर्चस्व स्थापित होगा, उस वक्त आज के नेताओं की यह गलत सोच उन्हें परेशान करेंगी। क्योंकि संसद भवन जैसी ऐतिहासिक इमारत सदियों में बनती है। नयी संसद भवन का बनना और उसका उद्घाटन होगा, भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती एवं महत्ता को नये शिखर देने का अवसर था। इस बहिष्कार के कारणों से सहमति-असहमति हो सकती है, लेकिन बड़ी बात यह है कि वे कारण दूर होने चाहिए थे।

भारतीय लोकतंत्र की यह खूबी रही है कि तमाम मतभेदों और असहमतियों के होते हुए भी हमारा राजनीतिक नेतृत्व जरूरत पड़ने पर उनसे ऊपर उठने के उदाहरण प्रस्तुत करता रहा है। ऐसे हर मौके पर उसने यह बात साबित किया है, जहां भारत की एकता एवं अखण्डता का प्रश्न आया, सभी एक छतरी के नीचे आकर देश को मजबूती देते रहे हैं। यह संभवतः पहला ऐसा बड़ा मौका है जिसमें दुनिया के सामने हमारे एकता को तार-तार किया है, लोकतंत्र के मन्दिर को विपक्षहीन चेहरा देकर बड़ी भूल की है। ऐसा करके उन्होंने न केवल एक महान अवसर को गंवाने का काम किया, बल्कि यह भी प्रकट किया कि वह देश को गौरवान्वित करने वाले अवसरों पर भी अपनी क्षुद्रता एवं संकीर्णताओं से ऊपर उठने के लिए तैयार नहीं हो पाते।

> **नया संसद भवन का लोकार्पण समय की शिला पर लिखा गया एक अमिट आलेख हैं। यह एक सपने को सच में बदलने का अवसर कुछ के लिये गर्व करने का माध्यम बनेगा, वहीं कुछ के लिये अपनी ऐतिहासिक भूलों के लिये पश्चाताप का कारण बनेगा।**

लोकतंत्र में असहमति एवं आलोचना एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है और इसे उसी रूप में लेने की जरूरत है, लेकिन हठधर्मिता एवं विध्वंसात्मक नीति से लोकतंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लोक राज्य, स्वराज्य, सुराज्य, रामराज्य का सुनहरा स्वप्न ऐसे अलोकतांत्रिक विपक्ष की नींव पर कैसे साकार होगा? यहां तो सभी दल अपना-अपना साम्राज्य खड़ा करने में लगे हैं। हालांकि विपक्षी दलों के तमाम अलोकतांत्रिक विरोध एवं उच्छृंखल रवैये के सकारात्मक पहलू यह है कि इस संसद भवन के उद्घाटन समारोह की जो तस्वीर दुनिया के सामने गई वह भारतीय लोकतंत्र को मजबूती देने वाली एवं भाजपा सरकार की स्थिति को सुदृढ़ करने वाली है। बेहतर होता यदि इसके उद्घाटन को लेकर सियासत नहीं होती। तब पूरे विश्व में एकजुटता का संदेश जाता। भारत के लोगों के लिए देश को नई संसद का मिलना एक भावनात्मक राष्ट्रीय मुद्दा है, इससे उनका स्वाभिमान बढ़ा है और भारतीय अपने स्वाभिमान के लिए जाने जाते हैं। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। अन्य सभी मुद्दे उनके लिए इस अवसर पर गौण हैं।

लगभग एक सदी पूरानी इस संसद भवन की इमारत को मरम्मत और विस्तार से अब तक काम चल गया, लेकिन धीरे-धीरे यह भी स्पष्ट हो गया कि अब सर्वथा नई इमारत अपेक्षाकृत ज्यादा बड़ी, आधुनिक सुविधायुक्त इमारत की जरूरत है। उस लिहाज से कोविड जैसी प्रतिकूलताओं के बीच जितनी कम अवधि में यह पूरी इमारत तैयार कर ली गई, वह निश्चित रूप से काबिले तारीफ है। हालांकि यह सच है कि इसके निर्माण के समय और तरीके को लेकर शुरू से ही असहमतियां भी रहीं, लेकिन एक जीवित लोकतंत्र में यह कोई अनोखी बात नहीं है। सर्वविदित है कि संसद के नए भवन का निर्माण आवश्यक था, इस तथ्य से परिचित होने के बावजूद भी विपक्ष के किसी नेता ने कहा कि उसकी आवश्यकता ही क्या थी तो किसी अन्य ने उसकी तुलना ताबूत से करने की धृष्टता करने में भी शर्म नहीं की। टिप्पणियां तो इससे भी ज्यादा लज्जाजनक एवं शर्मनाक आई और विपक्षी नेताओं को अपने इस तरह के घोर नकारात्मक रवैये पर शर्मिंदा होना चाहिए था, तब वे अपने कुतर्कों की तलाश में लगे रहे। इस भारतीय लोकतंत्र के बड़े सपने के आकार देने महान अवसर से दूरी बनाने के लिए किसी सस्ते बहाने की तलाश करते हुए उन्होंने इसमें खोज निकाला कि उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों क्यों नहीं कराया जा रहा है? यह एक बहाना था और इसका उद्देश्य केवल येन-केन प्रकारेण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कठघरे में खड़ा करना और एक पावन अवसर पर खलल डालना था एवं उसकी गरिमा को धुंधलाना था। क्या इससे विचित्र और कुछ हो सकता है कि जो विपक्षी दल अंग्रेजों के बनाए संसद भवन में बैठने को तैयार थे, वे स्वतंत्र भारत में निर्मित संसद के उद्घाटन में शामिल होने को तैयार नहीं हुए? ऐसे लोगों की राष्ट्रीयता सहज ही शंका एवं संदेह में हैं।

नया संसद भवन का लोकार्पण समय की शिला पर लिखा गया एक अमिट आलेख हैं। यह एक सपने को सच में बदलने का अवसर कुछ के लिये गर्व करने का माध्यम बनेगा, वहीं कुछ के लिये अपनी ऐतिहासिक भूलों के लिये पश्चाताप का कारण बनेगा। अस्तित्व को पहचानने, दूसरे के अस्तित्वों से जुड़ने, राष्ट्रीय पहचान बनाने, लोकतंत्र को समृद्ध-शक्तिशाली बनाने और अपने अस्तित्व को राष्ट्र के लिये उपयोगी बनाने के लिये यह स्वर्णिम अवसर था। क्योंकि इस दिन संसद के नए भवन के उद्घाटन के साथ ही एक नए इतिहास का निर्माण हुआ। स्वतंत्र भारत की संसद के नए भवन को जो महत्ता और गरिमा प्रदान की गई, वह समय की मांग थी। संसद के नए भवन का रिकार्ड समय में निर्माण और उसका भारतीयता से पगे विभिन्न धर्मों की प्रार्थनाओं के माहौल में उद्घाटन ने आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरे भारत की एक नई झलक पेश की। वास्तु, विरासत, कला, संस्कृति, समृद्ध इतिहास, बलिदानी भारत-निर्माताओं के साथ संविधान की छवियों को समेटे संसद के नए भवन के भव्य उद्घाटन ने यह विश्वास पैदा करने का काम किया कि अमृतकाल में भारत नई ऊंचाइयां स्पर्श करेगा और उन सपनों को साकार करेगा, जो हमारे राष्ट्र निर्माताओं ने देखे थे। भारत समृद्ध भी होगा, विश्व गुरु भी होगा, शक्तिशाली भी होगा।

चिंतन

पाकिस्तान में राजनैतिक उथलपुथल

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

एक तरफ हिंदुस्तान में नये लोकतंत्र के मंदिर का उद्घाटन हो रहा है तो दूसरी ओर पाकिस्तान इस वक्त बड़े उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। पहले से इमरान खान पर बहुत आरोपों के तहत तो केस चल ही रहे थे। 84 से ज्यादा केस थे। फिर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उसके बाद उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता और समर्थक सड़क पर उतर आए। उन्होंने काफी हंगामा किया, तोड़फोड़ की। इसमें पाकिस्तान की सरकार और आर्मी के द्वारा एक्शन लिया गया। इसी बीच एक पलटते हुए खबर आई कि इतनी जल्दी इमरान खान रिहा नहीं हो पाएंगे लेकिन कोर्ट से झटका पाकिस्तान सरकार को तब लगा जब कहा गया कि इमरान खान को तुरंत छोड़ा जाए। फिर उन्हें जमानत मिल गई। उनकी पार्टी के जिन बड़े नेताओं को हिरासत में लिया गया था, उन्हें भी जमानत मिली। लेकिन उन्हें किसी न किसी धारा के तहत फिर से गिरफ्तार कर लिया गया है। और आज हम अब पीटीआई पर बैन लगने की बात सुन रहे हैं।

तो इस तरह पाकिस्तान में हम एक राजनीतिक उथल-पुथल देख पा रहे हैं। पीटीआई की ओर देखें तो इमरान खान को उनके समर्थकों द्वारा उन्हें बहुत सपोर्ट मिल रहा है। लेकिन उनकी पार्टी के जो नेता हैं और बड़े दिग्गज नाम रहे हैं, जैसे कि शिरीन मजारी रहे हैं, हसन चौहान रहे हैं, अब्दुल रजा खान नियाजी रहे हैं, उमर उमरी हैं और कई नाम हैं। इन सभी ने पीटीआई छोड़ दी। और पार्टी छोड़ते समय उन्होंने इमरान खान पर बहुत गंभीर आरोप लगाए। उनका ये कहना था कि इमरान खान अपनी पार्टी के माध्यम से देश की जनता को मौजूदा सरकार के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। और इन्हीं इल्जामों के बाद हम देख रहे हैं कि वर्तमान सरकार की तरह से पीटीई को ही बैन करने की बात की जा रही है। वहां के रक्षा मंत्री का स्टेटमेंट सामने आया है। हालांकि यह भी एक प्रश्नवाचक चिन्ह ही है कि किस तरह से इस पार्टी को बैन किया जाएगा और इमरान खान के सामने विकल्प रखा गया है कि वो सुरक्षित विदेश चले जाएं, वर्ना बाकी की जिंदगी उन्हें जेल में गुजारनी पड़ सकती है।

हालांकि पाकिस्तान के लिए राजनीतिक रूप से अस्थिर होना कोई नई बात नहीं है। समय-समय पर यह देश अस्थिर होता रहा है। इस देश की राजनीतिक अस्थिरता का अंदाज़ा आप इस बात से लगा सकते हैं कि पाकिस्तान की स्थापना के 75 वर्षों में लोकतांत्रिक ढंग से चुने हुए किसी भी प्रधानमंत्री ने आज तक अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान में राजनीतिक संकट के पीछे हर बार जो वजह सबसे ज़्यादा उभर कर नज़र आती है वह देश पर शासन करने की ज़िद है। पाकिस्तान पर शासन करने की ज़िद ने इस देश को हर बार संकट की ओर धकेला है। हालिया समय में पाकिस्तान में जो राजनीतिक संकट उत्पन्न हुआ है उसके पीछे भी देश पर शासन की ज़िद ही है।चाहे वह देश की सेना हो या राजनीतिक पार्टियां या विपक्ष सबको एक ही समय पर सत्ता में बैठना है। इन सबमें सबसे ज्यादा ज़िद जिसे सत्ता में बैठने की हमेशा से रही है वह देश की सेना है।पाकिस्तानी सेना किसी भी कीमत पर देश पर शासन करना चाहती है। सेना ने देश की सत्ता से खुद को बाहर रखने से इनकार कर दिया है, भले ही इस कारण क्यों न देश के टुकड़े-टुकड़े हो जाएं।

इमरान खान की गिरफ़्तारी व उनके ऊपर हुए सैकड़ों मुकदमे देश पर शासन करने की ही ज़िद को दर्शाता है। सेना, इमरान खान व शहबाज़ शरीफ की सरकार की सत्ता में एक ही समय में बने रहने की भूख ने पाकिस्तान को फिर एक ऐसे मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है जिसका कोई सुखद भविष्य नहीं है। यह संकट केवल पाकिस्तान पर शासन करने की सेना की ज़िद से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि यह इमरान खान को सत्ता में आने से रोकने के बारे में अधिक है। दरअसल इमरान खान पर सरकार द्वारा शिकंजा कसने की कई वजहें हैं। सरकार और सेना को लगता है कि अगर उन्हें समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो यह उनके लिए बेहतर नहीं होगा और अगर इमरान खान कि लोकप्रियता इसी तरह बनी रही तो इसका गहरा असर आने वाले चुनाव पर पड़ेगा। इसके अलावा इमरान खान अपनी सरकार के जाने के बाद से जिस तरह से सेना पर हमले कर रहे हैं, उससे सेना को लगता है कि अगर उन पर शिकंजा नहीं कसा गया तो पाकिस्तानी सेना के लिए यह किसी भी तरह से ठीक नहीं होगा। सेना का यह भी मानना है कि अगर खान की आगामी आम चुनाव में सत्ता में वापसी हो जाती है तो सेना का वर्चस्व खतरे में पड़ जाएगा। पाकिस्तानी सेना किसी भी स्थिति में अपनी वर्चस्व खोना नहीं चाहती है, जिस कारण भी हालिया समय में इमरान खान के ऊपर शिकंजा कसा जाने लगा है।

राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि सेना और पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार इमरान खान को सत्ता से बेदखल करने के लिए जेल में डालने की पूरी कोशिश कर रही है। समीक्षकों के अनुसार, सेना और पीडीएम का ऐसा मानना है कि जेल में डालने के बाद खान की लोकप्रियता कमजोर पड़ने लगेगी। उनकी लोकप्रियता के कमजोर पड़ने के बाद देश में चुनाव कराया जाएगा जिससे इमरान खान की सरकार भी नहीं आ पाएगी और साथ ही सेना का प्रभुत्व भी बना रहेगा। इमरान खान समर्थित लोगों का ऐसा मानना है कि अगर इमरान खान दोबारा से सत्ता में लौट आते हैं तो उन्हें पाकिस्तान की राजनीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलने लगेगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन सेना के वर्चस्व से संबंधित है, माना जा रहा है कि जब वह दोबारा सत्ता में आएंगे तो पाकिस्तान में सेना का दबदबा कम कर देंगे। लेकिन ऋषभ यादव इस मसले को दूसरे दृष्टिकोण से देखते हैं। उनका मानना है कि अगर इमरान खान दोबारा सत्ता में लौटते हैं तो हमें सैन्य-हस्तक्षेप के अंत के बजाए पाकिस्तानी राजनीति में सेना की अधिक प्रत्यक्ष भूमिका देखने को मिलने लगेगी।

इमरान खान की गिरफ़्तारी के बाद से पाकिस्तान में जो राजनीतिक संकट उत्पन्न हुआ है उसका राजनीतिक फायदा फिलहाल इमरान खान को होता हुआ दिख रहा है। अगर यह सरकार इमरान खान को चुनाव लड़ने से रोक पाने में सफल नहीं हो पाती है तो इसका फायदा चुनाव में इमरान खान को जरूर देखने में मिलेगा। पाकिस्तान में चल रहे राजनीतिक संकट का प्रभाव न केवल पाकिस्तान पर पड़ेगा बल्कि यह उसके पड़ोसी होने के नाते हमारे देश भारत और वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिलेगा। अगर वहाँ राजनीतिक अस्थिरता बनी रहती है और अराजकता जैसी स्थिति बन जाती है या सेना का शासन आ जाता है, ऐसी किसी भी स्थिति में भारत देश के लिए खतरा ही रहेगा। राजनीतिक टीकाकारों का मानना है कि यदि सेना ने पाकिस्तान की सत्ता अपने हाथ में ले लेती है तो सेना हमेशा भारत के खिलाफ आक्रामक रुख अख्तियार करेगी, जिससे भारत-पाकिस्तान सीमा (एलएसी) पर संघर्ष विराम खतरे में पड़ जाएगा, जिस कारण दोनों देशों के देशों में अस्थिरता बढ़ेगी। इसके अलावा अगर यह अस्थिरता आगे भी जारी रहती है तो आतंकवादी संगठन भी सक्रिय हो जाएंगे और इसका असर भी भारत पर अप्रत्यक्ष/प्रत्यक्ष रूप से पड़ेगा। ये सभी घटनाक्रम भारत के अलावा अन्य देशों को भी प्रभावित करेंगे।

इन सबके अलावा हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है और अगर ऐसी स्थिति में अराजकता जैसा माहौल बंता है तो इसके परिणाम भयावह स्तर पर देखने को मिल सकते हैं, जो किसी भी सूरत में विश्व के लिए सही नहीं होगा। अगर पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता बनी रहती है तो इसका नुकसान हम सबको उठाना पड़ सकता है....पाकिस्तान का जिस तरह का सामरिक महत्व है उस बिना पर यहाँ अराजकता होना किसी भी देश के लिए बेहतर नहीं है....हमें यह नहीं भूलना चाहिए की पाकिस्तान एक परमाणु सम्पन्न देश है....।' दरअसल, पाकिस्तान की राजनीति में शामिल तमाम हितधारक जब तक किसी सर्वसम्मति पर नहीं पहुंचते हैं तब तक हालिया अस्थिरता का का कोई हल नज़र नहीं आ रहा है। देश के सभी हितधारक जैसे न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और तमाम राजनीतिक दल और नागरिक समाज से जुड़े तमाम लोग एक पटल पर आकर एक सर्वसम्मति पर पहुंचेंगे, तभी इस अस्थिरता का हल निकलेगा। अभी पाकिस्तान की पॉलिटी यानी राजव्यवस्था में संकट नहीं है बल्कि पूरी की पूरी पॉलिटी ही संकट में है।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

नौ साल में दुनिया में बढ़ा भारत का मान, हमें कोई आंख नहीं दिखा सकता : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ साल के कार्यकाल में जहां एक तरफ दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है, वहीं देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुदृढ़ हुई है, आज भारत को कोई आंख दिखाने की हिमाकत नहीं कर सकता।

सोमवार को यहां एक होटल में मोदी सरकार के कार्यकाल के नौ साल पूरे होने पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित मीडिया संवाद में योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के शासन में वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि गरीबों का कल्याण और अवसंरचना विकास जैसे चार स्तंभों को मोदी सरकार ने बीते नौ साल में मजबूत आधार प्रदान किया है। उन्होंने कहा, पिछले नौ साल में बदली हुई परिस्थितियों को हम सब ने न केवल महसूस किया है बल्कि हमने इस दौरान नए भारत का दर्शन भी किया है, आज का भारत चार महत्वपूर्ण स्तंभों पर खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने पहले स्तंभ की चर्चा करते हुए कहा कि आज भारत को दुनियाभर मे सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा, हाल ही में प्रधानमंत्री ने तीन देशों की यात्रा की, उसका दृश्य हम सबके सामने है। पापुआ न्यू गिनी में पीएम मोदी का वहां के प्रधानमंत्री ने पैर छूकर अभिनंदन किया। प्रोटोकॉल तोड़ के देर सायंकाल स्वयं आगवानी की। यह पहली बार हुआ है जब किसी संप्रभु राष्ट्र ने अपने समकक्ष का अभिनंदन इस प्रकार किया हो।

योगी ने कहा कि पापुआ न्यू गिनी और फिजी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री का वक्तव्य भी हम सबने सुना, जिसमें उन्होंने मोदी को बॉस कह कर संबोधित किया था। उन्होंने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर से पीएम मोदी का ऑटोग्राफ लेने की इच्छा व्यक्त करना, न सिर्फ भारत बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का सम्मान है। हर भारतवासी इसपर गर्व करता है।

दूसरे स्तंभ की चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि सुरक्षा के मामले में देश में नई आस और विश्वास का भाव पैदा हुआ। सीमाएं सुरक्षित और सुदृढ़ हुई हैं और आंतरिक सुरक्षा की स्थिति मजबूत हुई है।

मोदी सरकार की उपलब्धियों के तीसरे स्तंभ की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भारत की 140 करोड़ जनता की आवश्यक्ता की पूर्ति के लिए विश्व स्तरीय अवसंरचना भारत के पास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण चौथा स्तंभ है, जिसे नौ साल में भारत सरकार ने अनेक योजनाओं के जरिए सिद्ध किया है।

योगी ने पीएम आवास योजना, शौचालयों के निर्माण, संक्रामक रोग पर अंकुश, हर घर नल योजना, स्वस्थ ईंधन की व्यवस्था, स्ट्रीट वेंडर को स्वनिधि योजना, पीएम स्वामित्व योजना, आयुष्मान भारत योजना, नारी सशक्तिकरण, मिशन रोजगार, स्टार्टअप, स्टैंडअप, डिजिलट इंडिया, स्किल डेवलपमेंट जैसे तमाम विकास और लोककल्याणकारी कार्यों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की चर्चा की।

इसके पहले केंद्रीय शहरी विकास, आवासन व पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के जरिये मोदी सरकार की सिलसिलेवार उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा, अंग्रेज़ी हुकूमत खत्म होने के बाद जिनके हाथों में सत्ता आई, वह भी उन्हीं जैसे थे। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का सपना देखा और नौ साल में जो काम हुआ वह बहुत उल्लेखनीय है।

फैशन शो

पाकिस्तान के दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची में ट्रेड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ पाकिस्तान (टीडीएपी) द्वारा आयोजित एक फैशन शो के दौरान क्रिएशन पेश करती मॉडल।

महाकाल लोक गलियारे की मूर्तियां टूटने के मामले में मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि उन्होंने उज्जैन में श्री महाकाल लोक गलियारे की कुछ मूर्तियों के तेज आंधी के कारण क्षतिग्रस्त होने के मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में श्री महाकाल लोक गलियारे की छह मूर्तियां रविवार दोपहर आई तेज आंधी के चलते गिरकर टूट गई थीं। ये टूटी मूर्तियां वहां स्थापित किए गए सप्त ऋषियों में से छह की हैं और करीब 10 फुट ऊंची थीं।

चौहान ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर यहां संवाददाताओं से कहा, मैं इस मामले की जांच करा रहा हूं और रिपोर्ट मांगी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षतिग्रस्त हुई मूर्तियां फाइबर से बनी थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों पर पत्थर की भारी आकृतियां बनाना संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 11 अक्टूबर को 900 मीटर लंबे श्री महाकाल लोक गलियारे के पहले चरण का लोकार्पण किया था। कुल 856 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के पहले चरण में श्री महाकाल लोक को 351 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है।

भारतीय सेना ने संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का 75वां अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय सेना ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई। अधिकारियों ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने इंडिया गेट के पास स्थित राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की।

दरअसल, 29 मई को मनाया जाने वाला संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक अंतरराष्ट्रीय दिवस 1948 से इस मिशन के तहत काम करने वाले 10 लाख से अधिक कर्मियों की सेवा और बलिदान को याद करने का एक अवसर है। संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षण की वेबसाइट के मुताबिक यह उन 4,000 से अधिक शांति सैनिकों की स्मृति का सम्मान करने का भी अवसर है, जिन्होंने शांति के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक यह वह दिवस है जिस दिन वर्ष 1948 में पहले संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन, यूएन ट्रूस सुपरविजन ऑर्गनाइजेशन (यूएनटीएसओ) ने फलस्तीन में अपना अभियान शुरू किया था। अधिकारियों के मुताबिक सेना प्रमुख, उप सेना प्रमुख, नौसेना एवं वायु सेना, विदेश मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों ने भी राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रत्येक वर्ष इस दिन संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के देश उन सभी पुरुषों और महिलाओं के पेशेवर योगदान, समर्पण और साहस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सेवा की है या सेवा कर रहे हैं तथा शांति की स्थापना में अपने जीवन की आहुति देने वाले लोगों की स्मृति का भी सम्मान करते हैं।

रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, भारत की संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में योगदान देने की एक समृद्ध विरासत रही है और यह शांति सैनिकों में सबसे अधिक योगदान देने वाला देश है।

मोदी का कार्यकाल आजाद भारत का स्वर्णिम युग : पुरी

लखनऊ/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली की सराहना करते हुए केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि मोदी के पिछले नौ साल के कार्यकाल में उतने काम हो चुके है जो आजादी मिलने के बाद से 2014 के बीच कभी नहीं हुए थे।

मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल के दौरान मिली उपलब्धियों का बखान करते हुए पुरी ने कहा कि बीते नौ साल में जो काम हुए हैं, वो 1947 से अब तक नहीं हुए। 2019 में हमने कोरोना महामारी का सामना किया। इससे पहले हमारे हेल्थ सेक्टर की स्थिति अच्छी नहीं थी। पीपीई किट छोड़िए वैक्सिन मैन्यूफैक्चरिंग का काम बंद था। हमने वैक्सीन मैन्यूफैक्चरिंग और हेल्थ सेक्टर को सुदृढ़ किया।

पुरी ने ओडीएफ, अमृत मिशन के अंतर्गत नल से जल योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना पर भी विस्तार से आंकड़े रखे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि आज भारत की जीडीपी 3.8 ट्रिलियन डॉलर है। जर्मनी और जापान हमसे थोड़ा आगे हैं। हम अगले दो साल में ही दुनिया के तीसरे नंबर की जीडीपी वाला देश होंगे। 2028 तक हमने सात ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया है। साथ ही 2040 तक हम 28 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर चर्चा करते हुए कहा कि पिछले साल से लेकर इस साल तक 30 प्रतिशत कैपिटल एक्सपेंडिचर की ग्रोथ हुई है।

हरदीप सिंह पुरी ने एयरपोर्ट, रोड नेटवर्क, नेशनल हाईवे को लेकर हुए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि न सिर्फ हमारे हवाई अड्डे वर्ल्डक्लास हो रहे हैं बल्कि रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प हो रहा है।

मनीष पॉल की वेबसीरीज 'रफूचक्कर' का टीजर और पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता मनीष पॉल की वेबसीरीज रफूचक्कर का टीजर और पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। जियो स्टूडियोज की वेब सीरीज रफूचक्कर का आज टीज़र और पोस्टर रिलीज़ कर दिया है।

रफूचक्कर से ओटीटी स्पेस में डेब्यू करनेवाले अभिनेता मनीष पॉल इसमें एक ठग की दिलचस्प किरदार में नजर आनेवाले है। यह वेब सीरीज़ 15 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज़ होगी।

टीजर में मनीष पॉल की अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा झलकती है । वह फिटनेस विशेषज्ञ से लेकर एक मोटे बूढ़े व्यक्ति तक, एक पंजाबी वेडिंग प्लानर से लेकर और कई किरदार के लिए अपने लुक्स से आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार है।

ज्योति देशपांडे, अर्जुन सिंह बरन, कार्तिक डी निशंदर द्वारा निर्मित, रितम श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित रफूचक्कर में प्रिया बापट, अक्षा परदसनी, सुशांत सिंह और शिरीन सेवानी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

पिता अमिताभ बच्चन के साथ काम करने में बहुत खुशी महसूस होती है : अभिषेक बच्चन

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का कहना है कि उन्हें अपने पिता अमिताभ बच्चन के साथ काम करने में बहुत खुशी महसूस होती है और अच्छी स्क्रिप्ट मिलने पर वह उनके साथ फिर से काम करेंगे। अभिषेक बच्चन ने अमिताभ बच्चन के साथ 'बंटी और बबली', 'सरकार' 'सरकार राज', 'पा' ,'कभी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों में काम किया है। अमिताभ और अभिषेक की जोड़ी को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया है। अभिषेक बच्चन ने कहा है कि उन्हें अपने पिता अमिताभ बच्चन के साथ काम करने में बहुत खुशी महसूस होती है और वह दोनों साथ में काम करने के लिए तैयार है बस इंतजार है तो एक अच्छी स्क्रिप्ट का जिससे वह दर्शकों के बीच वापस वहीं मैजिक क्रियेट कर सके। हम दोनों एक दूसरे के साथ काम करने का आनंद लेते हैं, लेकिन बतौर एक्टर हमारी जिम्मेदारी दर्शकों के प्रति भी हैं, जिसे ध्यान में रखकर हम आने वाली स्क्रिप्ट का चयन करना चाहते हैं। बॉलीवुड निर्देशक आर बाल्की इन दिनों फिल्म 'घूमर' बना रहे हैं।इस फिल्म में अभिषेक बच्चन की मुख्य भूमिका है। कहा जा रहा है कि अमिताभ बच्चन भी इस फिल्म का हिस्सा होगें।यह फिल्म क्रिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है,अमिताभ बच्चन फिल्म 'घूमर' में एक कमेंटेटर की भूमिका निभाएंगे।

'आदिपुरुष' का नया गाना 'राम सिया राम' रिलीज

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय फिल्मो के सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म 'आदिपुरुष' का नया गाना 'राम सिया राम' रिलीज हो गया है। ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभास की मुख्य भूमिका है। आदिपुरुष का दूसरा गाना 'राम सिया राम' रिलीज हो गया है।

इस गाने को साचेत और परम्परा ने गाया है,वहीं, इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। गाने को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम पांच भाषाओं में रिलीज किया गया है।

टी सीरीज की ओर से यूट्यूब पर इस गाने को रिलीज किया गया है। गाने के साथ लिखा गया है, 'राम से रूठे, राम से माने, राम सिया राम, सियाराम, जय जय राम'। गाने का संगीत भी सचेत और परम्परा ने ही दिया है। फिल्म 'आदिपुरुष' 16 जून 2023 को रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रभास के अलावा सैफ अली खान, कृति सेनन, देवदत्त गजानन नागे, सोनल चौहान, वत्सल सेठ आदि प्रमुख भूमिका में हैं।

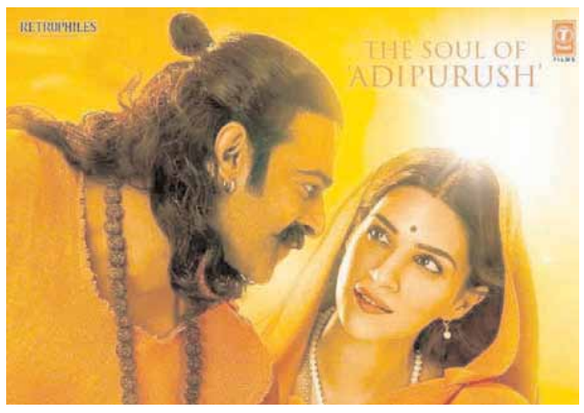

हिरासत

कोलकाता में सोमवार को दिल्ली के पहलवानों के मुद्दे पर राजभवन के सामने एसयूसीआई (सी) के कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लेती हुई।

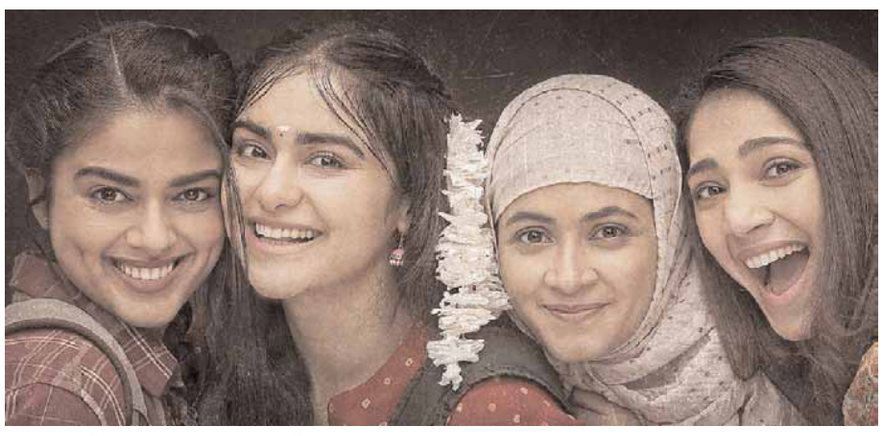

'द केरल स्टोरी' पर फिर बढ़ा विवाद

मुंबई/एजेन्सी

अदा शर्मा की फिल्मद केरल स्टोरी हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म को लोगों ने काफी अच्छा रिस्पॉन्स दिया है। बॉक्स ऑफिस पर ये मूवी सुपरहिट साबित हुई है। हालांकि द केरल स्टोरी पर विवाद भी काफी हो रहा है जहां कई लोग इस मूवी पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। तो वहीं कई लोग इसका विरोध कर रहे हैं। हाल ही में कमल हासन ने इस मूवी को प्रोपेगेंडा बताया था। अब डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने भी इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर कमल हासन ने एक बयान दिया था। उन्होंने इसकी कहानी पर सवाल उठाए थे। इस बीच अनुराग कश्यप ने भी कुछ ऐसा ही किया है। अनुराग ने मीडिया से बातचीत में कहा, आज के समय में कोई राजनीति से बचा नहीं है। सिनेमा का आज के वक्त में गैर-राजनीतिक होना बहुत मुश्किल है। द केरल स्टोरी जैसी बहुत सारी प्रोपेगेंडा फिल्में बनाई जा रही हैं। मैं किसी भी चीज पर बैन लगाने के खिलाफ हूं लेकिन अपनी बात पर मेरा यही मानना है कि ये मूवी वाकई एक प्रोपेगेंडा फिल्म है। अुनराग ने आगे कहा कि वो कभी ऐसी मूवी नहीं बनाएंगे जिससे प्रोपेगेंडा हो। बॉक्स ऑफिस पर द केरल स्टोरी ने मचाया तहलका कई राज्यों में द केरल स्टोरी को टैक्स फ्री कर दिया गया था। हालांकि पश्चिम बंगाल में अदा शर्मा की द केरल स्टोरी को बैन कर दिया गया था। फिल्म 'द केरल स्टोरी' 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार चुकी है। अदा शर्मा ने द केरल स्टोरी ने काफी शानदार एक्टिंग की हैं। यही वजह है कि लोगों ने फिल्म को इतना प्यार दिया है।

लंबे बाल और दाढ़ी में पहचान में नहीं आए अभिनेता धनुष

मुंबई/एजेन्सी

तमिल स्टार धनुष आजकल पहचान में नहीं आ रहे हैं। उन्हें एयरपोर्ट पर लंबे बाल और दाढ़ी में देखा गया। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर हवाईअड्डे पर नए लुक में टहलते हुए धनुष की एक तस्वीर साझा की। अभिनेता को काले जॉगर्स और धूप के चश्मे के साथ मैरून स्वेटशर्ट में देखा गया। अभिनेता ने एक फैन के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। हालांकि, उनके नए लुक ने कई फैंस का ध्यान खींचा, कुछ ने अभिनेता की तुलना बाबा रामदेव से की। एक ने लिखा, मुझे तो लगा बाबा रामदेव कपड़े पहन कर गए। एक अन्य ने उन्हें बुलाया: बाबा रामदेव प्रो। एक यूजर ने कहा, मुझे लगता है कि बाबा रामदेव पर बायोपिक बनने वाली है। एक ने पूछा: बाबा रामदेव क्या आप हैं? एक फैन ने हैरानी जताई कि कैमरे वालों ने अभिनेता को कैसे पहचान लिया। लोगों ने उन्हें उनके नए अवतार में कैसे पहचाना.. वो पूरी तरह से पहचान में नहीं आ रहे हैं। यह साफ नहीं है कि यह उनकी आने वाली फिल्म 'कैप्टन मिलर' का लुक है, जिसमें कथित तौर पर वो दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। वह एक पिता और पुत्र के रूप में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अरुण मथेस्वरन ने किया है। अभिनेता जल्द ही निर्देशक मारी सेल्वराज के साथ अपनी आगामी अभी तक बिना शीर्षक वाली तमिल फिल्म के लिए फिर से जुड़ेंगे।

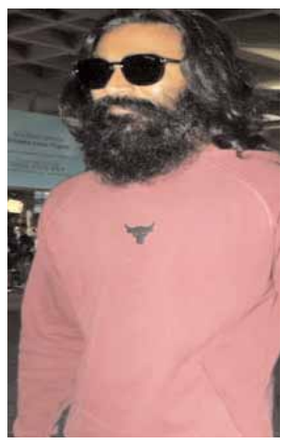

वीर सावरकर के किरदार के लिए रणदीप हुड्डा ने 26 किलो वजन घटाया

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी आने वाली फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' में वीर सावरकर के किरदार के लिये 26 किलो वजन घटाया है। रणदीप हुड्डा इन दिनों स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर आधारित फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है।इस फिल्म में रणदीप हुड्डा अभिनय के साथ ही निर्देशन भी कर रहे हैं। फिल्म निर्माता आनंद पंडित ने बताया है कि फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' के लिए रणदीप ने 26 किलो वजय घटाया है।आनंद पंडित ने बताया कि रणदीप पूरी तरह अपने किरदार में डूब गए हैं। इस रोल के बारे में उन्होंने पहले ही कहा था वह अपने रोल को परफेक्ट बनाने के लिए किसी तरह की कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। जब तक शूटिंग खत्म नहीं हुई, तब तक वह पूरे दिन सिर्फ एक ग्लास दूध और एक खजूर खाते थे। पूरे चार महीने जब तक शूटिंग खत्म हुई उनका यही रुटीन रहा। रोल को परफेक्ट बनाने के लिए उन्होंने अपने बाल भी मुंडवा लिए थे।